www.tamsasanket.com
वर्षः 06 || अंक 127 || लखनऊ
गुरूवार
06 अगस्त 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:33
सूर्यास्तः 06:51
अधिकतमः 28°00
न्यूनतमः 27°00


पेज 07

विशेष समाचार | आधुनिक और आत्मनिर्भर... >>पेज 04 | तमिलनाडु एक्सप्रेस में रखे ट्रॉली... >>पेज 06 | 52 की हुई काजोल...

भटके युवक पत्थरबाजी करते हैं, सरकार आक्रामक रवैये से बचे, सीजेपी प्रदर्शन में हिंसा का मामला

युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार : एससी

सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) के प्रदर्शन में हिंसा को लेकर एक याचिका पर सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि युवाओं की बात सुनना सबसे ताकतवर हथियार है। कोर्ट ने कहा कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों को संयम रखना चाहिए।

>> (शेष पेज 06 पर)





सुप्रीम कोर्ट बोला- युवाओं को काउंसलिंग मिलनी चाहिए, 4 टिप्पणी

1. भटके युवाओं को समझाने की जरूरत: चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी करते हैं, तब भी उन्हें समझाने और सलाह देने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि उन्हें काउंसलिंग मिलनी चाहिए। अगर सरकार आक्रामक रवैया अपनाएगी, तो हालात और बिगड़ सकते हैं और हिंसा बढ़ सकती है। इससे बचना चाहिए।

2. पुलिस संयम रखे, शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा दे; CJI ने कहा कि सबसे जरूरी बात शांतिपूर्ण प्रदर्शन को बढ़ावा देना है। अगर कोई घटना हो भी जाती है, तो पुलिस को बहुत संयम से काम लेना चाहिए, ताकि हालात नियंत्रण से बाहर न जाएं। जहां भी ऐसी घटनाएं हों, वहां बहुत सावधानी से स्थिति संभालनी चाहिए।

3. युवाओं को हिंसा की राह पर जाने से रोकना होगा: CJI ने कहा कि बहुत सोच-समझकर कदम उठाने होंगे, ताकि युवा हिंसा की राह पर न जाएं। उनकी बात सुनिए और समझिए कि वे आखिर क्यों विरोध कर रहे हैं।

4. कानून-व्यवस्था एजेंसियों के विवेक पर छोड़ें: अंत में CJI ने कहा कि ऐसे मामलों से कैसे निपटना है, उन्हें ऐसी परिस्थितियों से निपटने का अनुभव हमसे और आपसे ज्यादा है।

याचिकाकर्ता ने कहा- सरकार को झुकना नहीं चाहिए, 4 दलीलें...

1. 15 दिन बाद भी आयोजकों पर कार्रवाई नहीं: याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील रिजवान अहमद ने कहा कि दिल्ली में 20 जुलाई को हुई घटना के 15 दिन बीत चुके हैं, लेकिन आयोजकों की जवाबदेही तय नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आयोजक लगातार टीवी चैनलों पर जाकर भड़काऊ बयान दे रहे हैं और माहौल शांत करने की कोशिश नहीं कर रहे।

2. सरकार प्रदर्शनकारियों के आगे न झुके: वकील ने राजस्थान की हालिया कानून-व्यवस्था की घटना का हवाला देते हुए कहा कि सरकार को प्रदर्शनकारियों के आगे नहीं झुकना चाहिए। उन्होंने कहा- राजस्थान में एक युवक की मौत हो चुकी है। अगर दिल्ली में सरकार झुकती है, तो यह दूसरी जगहों पर भी उदाहरण बनेगा। कल लखनऊ में कॉलेज के छात्र भी मांगों को लेकर बसों पर पत्थर फेंकेंगे, तो क्या वहां की सरकार भी झुक जाएगी?

3. पत्थरबाजी करने वालों को छोड़ना खतरनाक होगा: वकील ने कहा कि पत्थरबाजी करने वालों को सिर्फ इसलिए नहीं छोड़ा जा सकता कि सरकार दबाव में है। उन्होंने कहा- यह बहुत खतरनाक उदाहरण होगा। तीन साल पहले किसान सिंघु बॉर्डर पर थे। कल जनरेशन अल्फा, बीटा या दूसरी पीढ़ियां भी इसी तरह आंदोलन करेंगी।

4. संसद लोकतंत्र का मंदिर, जवाबदेही तय हो: वकील ने कहा कि संसद लोकतंत्र का मंदिर है। अगर 500 लोग संसद परिसर में घुस जाते, तो कौन जानता है कि उनके पास देसी कट्टा या कोई हथियार नहीं होता? अगर वे गोली चला देते तो क्या होता? उन्होंने कहा कि वे किसी हाईवे या रेलवे ट्रैक पर नहीं जा रहे थे, बल्कि लोकतंत्र के मंदिर की ओर बढ़ रहे थे। इसलिए सभी की जवाबदेही तय होनी चाहिए।



जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस

लड़की ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर देशद्रोही कहा

- राहुल गांधी ने दिल्ली में अपने घर के बाहर प्रेस कॉन्फ्रेंस की।
- रिया अहीर ने 23 जुलाई को मुंबई के शिवाजी पार्क पर चल रहे प्रदर्शन के दौरान पुलिस वैन को रोका था।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राहुल गांधी ने बुधवार को दिल्ली में 10 जनपथ पर जंतर-मंतर प्रदर्शनकारियों के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। राहुल ने कहा कि 20 जुलाई को हुए कॉकरोच पार्टी के प्रदर्शन के दौरान स्टूडेंट पर लाठी-पैलेट गन से हमला किया गया। राहुल अपने साथ चार प्रदर्शनकारी छात्र और छात्राओं को मीडिया के सामने लाए। एक छात्रा ने कहा- भारत माता की जय बोलने पर हमें देशद्रोही कहा गया।

>> (शेष पेज 06 पर)



राहुल की प्रेस कॉन्फ्रेंस, 2 बातें, कहा- देशभर के युवाओं पर गर्व

- हमने प्रदर्शन कर रहे कुछ युवाओं से बात की। उन्होंने बताया कि उनके साथ मारपीट की गई, धमकाया गया और दबाव बनाया गया। मुझे उन पर और देशभर के हजारों युवाओं पर गर्व है। उन्होंने संविधान, भारत के विचार और देश के भविष्य की रक्षा की है।
- राहुल गांधी ने कहा कि पहले छात्रों के घर गुंडे भेजना, 15 साल की एक लड़की से जबरन माफी मंगवाना और फिर उस माफी को स्वीकार करना पूरी तरह बेतुका है।

ये लोग लोकतंत्र विरोधी हैं, इनका आचरण शर्मनाक, किसान और महिला विरोधी है सपा

विपक्ष पर भड़के सीएम योगी

बहस

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ: जब जनहित के मुद्दों पर सार्थक बहस होनी थी और विकास की योजनाओं पर मुहर लगनी थी, तब विपक्ष की सनक और हंगामे की भेंट उत्तर प्रदेश विधानसभा की कार्यवाही चढ़ गई। पूर्व निर्धारित समय से एक दिन पहले ही सदन की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करना पड़ा। सपा के भारी बवाल और सदन में पैदा की गई रुकावटों से आहत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी के खिलाफ तीखा हमला बोला।

>> (शेष पेज 06 पर)



अनुदेशकों का मानदेय 17 हजार रुपये किया

सपा के दोहरे चरित्र को उजागर करते हुए सीएम योगी ने कहा कि अखिलेश सरकार के दौरान शिक्षामित्रों और अनुदेशकों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया था। हमारी सरकार ने शिक्षामित्रों का मानदेय 10 हजार से बढ़ाकर 18 हजार रुपये किया और उन्हें 5 लाख रुपये तक के कैशलेस इलाज की सुविधा दी। वहीं अनुदेशकों का मानदेय 9 हजार से बढ़ाकर 17 हजार रुपये किया गया। हम इस सत्र में भी इन सभी वर्गों के मानदेय बढ़ाने और नई कल्याणकारी योजनाओं के लिए डिमांड लेकर आए थे, लेकिन सपा ने लगातार इसमें रोड़ा अटकाया।

फास्ट न्यूज

पॉलिटिकल पार्टी नहीं बनाएंगे : अभिजीत दीपके

छत्रपति संभाजीनगर। CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने बुधवार को कहा, 'कॉकरोच जनता पार्टी फिलहाल राजनीतिक पार्टी नहीं बनेगी। अभी भारत को एक मजबूत प्रेशर ग्रुप की जरूरत है, इसलिए कॉकरोच पार्टी उसी भूमिका में काम करेगी।' दीपके ने कहा, 'अगर हम राजनीतिक पार्टी बनाते, तो हमारा आंदोलन सफल नहीं होता।

गडकरी से जुड़ी आपत्तिजनक पोस्ट फौरन हटाएं : बॉम्बे हाईकोर्ट

मुंबई। बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म मेटा और एक्स को केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी के खिलाफ आपत्तिजनक कंटेंट फौरन हटाने का आदेश दिया। साथ ही पोस्ट करने वाले यूजर्स की जानकारी भी मांगी। हाईकोर्ट ने इन कंपनियों से कहा, 'भविष्य में भी अगर मंत्री की ओर से ऐसा कोई कंटेंट ध्यान में लाया जाता है, तो उसे भी हटाया जाएगा।' गडकरी ने 27 जुलाई को हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि सोशल मीडिया पर उन्हें और उनके परिवार को ई-20 इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम से होने वाले कथित मुनाफे से जोड़ा जा रहा है।

राममंदिर में राम दरबार के बिना पास दर्शन होंगे

अयोध्या। अयोध्या राम मंदिर में राम दरबार के दर्शन के लिए अब पास नहीं लगेगा। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मंगलवार को पास की व्यवस्था खत्म कर दी। यानी अब राम मंदिर जाने वाला भक्त पूरे राम दरबार समेत पूरे मंदिर के दर्शन कर सकेगा। मंदिर की पहली मंजिल पर राम दरबार बना है। यह पिछले साल जून में बनकर तैयार हुआ था।

पीएम मोदी की पोस्ट हटाने पर जुकरबर्ग ने माफी मांगी

कंपनी ने माना वाइल्ड पोर्न कंटेंट और डीप फेक रोकने में भी नाकाम रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। Meta के CEO मार्क जुकरबर्ग ने बुधवार को पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटाए जाने के मामले में भारत सरकार से माफी मांगी है। यह जानकारी न्यूज एजेंसी PTI ने सरकारी सूत्रों के हवाले से दी है। कंपनी ने यह भी माना कि उसके प्लेटफॉर्म पर चाइल्ड सेक्सुअल एब्यूज मैटेरियल, डीपफेक और कंटेंट मॉडरेशन से जुड़ी चूक हुई हैं। Meta की ग्लोबल टीम ने कंपनी के ग्लोबल अफेयर्स चीफ जोएल कैपलन के नेतृत्व में केंद्रीय IT मंत्री अश्विनी वैष्णव और IT सचिव एस. कृष्णन से मुलाकात की। यह बैठक पिछले महीने पीएम मोदी का फेसबुक पोस्ट हटने के बाद सरकार की ओर से भेजे गए समन के बाद हुई। दरअसल, सरकार पीएम मोदी का वीडियो फेसबुक से हटाने से भी नाराज थी। मोदी ने 23 जुलाई को यह वीडियो पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने पेपर लीक को बड़ी समस्या बताया था। उन्होंने ऐसे मामलों की जल्द सुनवाई के लिए फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाने की भी बात कही थी। यह वीडियो कुछ समय के लिए फेसबुक से हटा दिया गया था।



विधानसभा में अब तक ये प्रस्ताव पास हुए

- **विस्थापित परिवारों को मिलेगी एक-एक एकड़ जमीन-** 25 अक्टूबर 1980 से पहले पाकिस्तान और बांग्लादेश से आकर रामपुर, पीलीभीत, लखीमपुर खीरी और बिजनौर में बसे परिवारों को सरकार जमीन का पट्टा देगी। हर परिवार को एक एकड़ जमीन मिलेगी। इससे 5 हजार से ज्यादा परिवारों को लाभ होगा।
- **लोक सेवा अधिकरण के अध्यक्ष की उम्र सीमा बढ़ी-** लोक सेवा अधिकरण के अध्यक्ष की अधिकतम उम्र 65 से बढ़ाकर 67 वर्ष कर दी गई है। वहीं, उपाध्यक्ष और सदस्यों की उम्र सीमा 62 से बढ़ाकर 65 वर्ष होगी।
- **गोरखपुर में बनेगा पहला वानिकी एवं औद्यानिक विश्वविद्यालय-** गोरखपुर के कैंपियरगंज में 491 करोड़ रुपए की लागत से उत्तर प्रदेश का पहला वानिकी एवं औद्यानिक विश्वविद्यालय बनेगा। यह देश का दूसरा ऐसा विश्वविद्यालय होगा।
- **तीन नए निजी विश्वविद्यालयों को मंजूरी-** विधानसभा ने तीन नए निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना को मंजूरी दे दी है। इनमें फतेहपुर में ठाकुर युगराज सिंह विश्वविद्यालय, कानपुर के बिल्हौर में महर्षि योगी इंटरनेशनल एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय और गाजियाबाद में अजय कुमार गर्ग विश्वविद्यालय स्थापित किए जाएंगे। वहीं, ग्रेटर नोएडा में निजी क्षेत्र का मेट्रो विश्वविद्यालय खोला जाएगा।

योगी बोले- सपा ने शिक्षामित्रों के भविष्य से खिलवाड़ किया था

सीएम ने कहा- इन्होंने (सपा) शिक्षामित्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया था। हमारी सरकार ने शिक्षामित्रों को पहले 3,000 मानदेय मिलता था। हमने इसे 3,000 से 10,000 और फिर 18,000 किया। उन्हें 5 लाख तक की कैशलेस इलाज की सुविधा भी उपलब्ध कराई।अनुदेशकों को पहले 9,000 मानदेय मिलता था। हमने इसे बढ़ाकर 17,000 किया और उन्हें भी कैशलेस सुविधा उपलब्ध कराई। बेसिक, माध्यमिक और उच्च शिक्षा से जुड़े सभी शिक्षकों को भी कैशलेस सुविधा उपलब्ध कराई गई। अन्य कई तबकों के लिए भी बेहतर योजनाएं लेकर हम सप्लिमेंट्री डिमांड्स में आए थे। इन सबके साथ-साथ सामाजिक न्याय के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाले महापुरुषों बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर, महर्षि वाल्मीकि, संत शिरोमणि गुरु रविदास, संत ज्योतिबा फुले, शाहू जी महाराज और लोकमाता अहिल्याबाई होलकर के लिए भी इस बजट में प्रावधान किया गया है। 407 करोड़ उनकी मूर्तियों पर छाजन, सुरक्षित पार्क और बाउंड्री वॉल बनाने के लिए रखे गए थे। समाजवादी पार्टी ने इन प्रावधानों को पारित न होने देने के लिए लगातार सदन की कार्यवाही बाधित की और व्यवधान पैदा किया। उनके विरोध के बावजूद सप्लिमेंट्री डिमांड्स विधानसभा से पारित हुईं।

सीएम योगी ने आगे कहा कि इस अनुपूरक बजट में सामाजिक न्याय के लिए जीवन समर्पित करने वाले सभी संतों और महापुरुषों की मूर्तियों के छाजन व बाउंड्री वॉल निर्माण का भी विशेष प्रावधान रखा गया था। सपा नहीं चाहती थी कि सरकार जन-कल्याण और बुनियादी ढांचे के विकास को आगे बढ़ाए।



सदन से निष्कासित सपा विधायक सचिन यादव ने आलू लेकर विधानसभा के बाहर प्रदर्शन किया।

सतीश महाना बोले- मेरी लंबी राजनीतिक पारी अब अंतिम चरण में

सतीश महाना ने कहा- सदन के नेता और प्रदेश के मुख्यमंत्री का सम्मान करना सभी सदस्यों का संवैधानिक दायित्व है। अ वाद-विवाद, सहमति और असहमति लोकतंत्र का हिस्सा हैं, लेकिन भाषा की मर्यादा रहनी चाहिए। संसदीय आचरण की सीमा लांघना इस संस्था के लिए बेहद नुकसानदायक होगा। कल सदन में जो हुआ, उससे मैं दुखी और निराश हूं। मुझे पहली बार लगा कि या तो हमारे प्रयास में कहीं कमी रह गई या फिर डॉ. अंबेडकर की बात सही है।



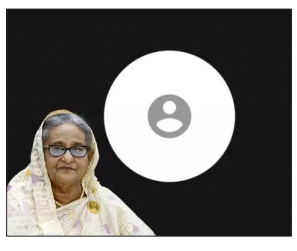
संबोधन : वे मुझे जेल में डालें या मार दें, 2 साल बाद वर्चुअल भाषण दिया, कैमरा ऑफ था

दिसंबर में बांग्लादेश लौटूंगी : शेख हसीना

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने दो साल बाद बुधवार को लोगों को वर्चुअली संबोधित किया। भाषण के दौरान उनका कैमरा बंद रहा। 25 मिनट के भाषण में उन्होंने कहा- मुझे पता है कि वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मार भी सकते हैं, फिर भी मैं दिसंबर में बांग्लादेश वापस जाउंगी। लोगों का समर्थन मेरे लिए बहुत जरूरी है। मौत की सजा, झूठे मुकदमे और दिखावटी सुनवाई मुझे डरा नहीं सकती। मेरे खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई गैरकानूनी, असंवैधानिक और राजनीतिक मकसद से प्रेरित है। हसीना ने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से बांग्लादेश नहीं छोड़ा था। प्रदर्शनकारियों के प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ने पर उनके पास वहां से निकलने के लिए सिर्फ 30 से 40 मिनट का समय था। तब उन्हें नहीं पता था कि वे देश छोड़कर जा रही हैं। वह अपने पैतृक गांव तुंगीपाड़ा जाने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन हालात ऐसे बने कि देश छोड़ना पड़ा। 78 साल की शेख हसीना 5 अगस्त 2024 से भारत में रह रही हैं। छात्र आंदोलन के बाद उनकी सरकार गिर गई थी और उन्हें ढाका छोड़ना पड़ा था। पिछले साल नवंबर में ढाका के एक विशेष ट्रिब्यूनल ने 2024 के आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों पर कार्रवाई को लेकर मानवता के खिलाफ अपराध के मामले में उन्हें गैरहाजिरी में मौत की सजा सुनाई थी। इसके बाद से बांग्लादेश सरकार लगातार भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रही है। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत को मित्र देश बताते हुए कहा कि वह हमेशा बांग्लादेश का अच्छा दोस्त रहा है। जब भी बांग्लादेश किसी मुश्किल हालात में होता है, भारत हमेशा उसके साथ खड़ा रहता है- चाहे वह 1971 हो, 1975 हो या आज का समय। हसीना ने कहा कि सरकारों के बीच के संबंध अलग हो सकते हैं, लेकिन भारत हमेशा से एक अच्छा दोस्त रहा है और मुझे पता है कि वह आगे भी ऐसा ही रहेगा। उन्होंने यह भी कहा कि भारत भले ही मित्र देश है लेकिन उन्हें अपने लोगों के पास जाना है। हसीना ने पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए कहा कि पहले भी कई बार उन्हें रोकने की कोशिश की गई थी, लेकिन उनके विरोधी कामयाब नहीं हो पाए और वह घर लौटने में सफल रहीं।

>> (शेष पेज 06 पर)





सरकार परिसीमन बिल पर विशेष सत्र बुला सकती है

सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल राज्यसभा में पास

मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार परिसीमन पर चर्चा के लिए 16 से 18 अगस्त तक संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने बुधवार को संसद में राहुल, प्रियंका सहित अन्य कांग्रेस सांसदों से मुलाकात की। कांग्रेस सांसद केसी वेणुगोपाल ने कहा कि किरेन रिजिजू ने आज परिसीमन के मुद्दे पर उनसे बात की। हम इस पर विचार करके उन्हें जवाब देंगे। कांग्रेस और विपक्ष का रुख पहले जैसा ही है। इससे पहले विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे समेत विपक्षी सांसदों ने नारेबाजी करते हुए गांधी प्रतिमा से मकर द्वार तक मार्च निकाला।

>> (शेष पेज 06 पर)



- संसद परिसर में रखी गई दानपेटी में डिंपल यादव समेत कई विपक्षी सांसदों ने रुपए डाले।
- राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के विरोध में विपक्षी सांसदों ने दानपेटी रखी।

योगी सरकार का हर पात्र महिला को स्वयं सहायता समूह से जोड़ने के लिए घर-घर अभियान शुरू

चलाया जाएगा 'परिवार संतृप्तिकरण अभियान'

निर्देश

- विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर अभियान के लिए नोडल अधिकारियों की तैनाती
- सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों के तत्काल खुलवाए जाएंगे बैंक खाते

महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने का मेगा प्लान



अभियान के दौरान विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर पर नोडल अधिकारी घर-घर जाकर सर्वे करेंगे और ऐसे परिवारों की पहचान करेंगे, जहां महिलाएं अभी स्वयं सहायता समूहों का हिस्सा नहीं हैं। सर्वे के आधार पर उन्हें समूहों से जोड़ा जाएगा ताकि वे बचत, ऋण, प्रशिक्षण और रोजगार के अवसरों का लाभ उठा सकें।

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में योगी सरकार ने प्रदेशव्यापी 'परिवार संतृप्तिकरण अभियान' शुरू किया है। 5 अगस्त से 20 अगस्त तक चलने वाले इस विशेष अभियान के तहत गांव-गांव, घर-घर जाकर ऐसे पात्र परिवारों की पहचान की जाएगी, जो अभी तक स्वयं सहायता समूहों या ग्रामीण आजीविका मिशन से नहीं जुड़े हैं। अभियान का उद्देश्य हर पात्र महिला को स्वरोजगार, बैंकिंग सुविधाओं और सरकारी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।

परिवार संतृप्तिकरण अभियान का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी पात्र परिवार सरकारी योजनाओं, स्वयं सहायता समूहों और आजीविका के संसाधनों से वंचित न रहे। योगी सरकार चाहती है कि प्रत्येक पात्र महिला को आर्थिक गतिविधियों से जोड़कर उसकी आय बढ़ाई जाए और ग्रामीण परिवारों को आत्मनिर्भर बनाया जाए। ग्रामीण आजीविका मिशन प्रदेश में महिला सशक्तीकरण का मजबूत आधार बन चुका है। वर्तमान में उत्तर प्रदेश में 10 लाख से अधिक स्वयं सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनसे एक करोड़ 19 लाख से अधिक परिवार जुड़े हुए हैं। इन समूहों ने ग्रामीण महिलाओं को केवल बचत और ऋण तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें उद्यमी बनने का अवसर भी दिया है।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई रफ्तार

जब अधिक से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों से जुड़ेंगी तो गांवों में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। छोटे-छोटे घरेलू उद्योग, कृषि आधारित गतिविधियां, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प और अन्य स्वरोजगार के माध्यम विकसित होंगे। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी और महिलाओं की आय में भी वृद्धि होगी।

स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते भी खुलेंगे

योगी सरकार ने अभियान के दौरान सभी पात्र स्वयं सहायता समूहों के बैंक खाते तत्काल खुलवाने के निर्देश दिए हैं। इससे समूहों को सरकारी वित्तीय सहायता, बैंक ऋण और अन्य योजनाओं का लाभ सीधे मिल सकेगा। बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ने के बाद ग्रामीण महिलाओं के लिए छोटे उद्यम शुरू करना और आर्थिक गतिविधियों का विस्तार करना आसान होगा।

परा‌विधिक स्वयं सेवकों द्वारा जन जागरूकता चलाया जा रहा अभियान

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा ने बताया कि माननीय राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (NALSA) एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार दिनांक 12 सितम्बर 2026 को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के परा‌विधिक स्वयं सेवकों द्वारा जन-जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ श्री मलखान सिंह के मार्गदर्शन में तथा राष्ट्रीय लोक अदालत के नोडल अधिकारी श्री प्रकाश तिवारी के निर्देशन में जनपद की दीवानी न्यायालय परिसर, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, पारिवारिक न्यायालय, कामर्शियल कोर्ट, भूमि अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकरण, समस्त तहसीलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थलों पर परा‌विधिक स्वयं सेवकों द्वारा जागरूकता शिविर के माध्यम से लोक अदालत संबंधी प्रचार-प्रसार किया जा रहा है जिससे अधिक से अधिक वादकारी राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ प्राप्त कर सकें।

राष्ट्रीय लोक अदालत में दीवानी, वैवाहिक, मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण, बैंक ऋण वसूली, श्रम, विद्युत, राजस्व, पारिवारिक, चेक बाउंस, प्री-लिटिगेशन, आरबीट्रेशन तथा अन्य सुलह योग्य वादों का निस्तारण आपसी समझौते के आधार पर किया जाएगा। लोक अदालत द्वारा पारित निर्णय अंतिम एवं बाध्यकारी होता है।

फास्ट न्यूज

लखनऊ में डॉक्टर की पत्नी फंदे से लटकी मिलीं

लखनऊ । लखनऊ में मंगलवार शाम करीब 4 बजे सीतापुर से ड्यूटी कर घर लौटे स्वास्थ्य विभाग के प्रधान सहायक को उनकी पत्नी कमरे में फंदे से लटकी मिलीं। उन्होंने काफी देर तक दरवाजा खटखटाया, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद उन्होंने पड़ोसियों की मदद से दरवाजा तोड़ा। कमरे के अंदर उनकी पत्नी पंखे से फंदे के सहारे लटकी मिलीं।

50 साल के व्यक्ति को महिला ने 35 चप्पल जड़े

लखनऊ । लखनऊ में छेड़खानी के विरोध में 38 साल की महिला ने 50 साल के व्यक्ति को डेढ़ मिनट में 35 से ज्यादा चप्पल जड़े। वह भागने लगा तो उसे करीब 500 मीटर तक दौड़ा-दौड़ाकर पीटा। मौके पर भीड़ जुट गई। आरोपी ने महिला से हाथ जोड़कर माफी मांगी। इस पर महिला ने उसे माफ कर दिया और पुलिस से शिकायत नहीं की। घटना बुधवार दोपहर करीब 12:30 बजे कैसरबाग थाना क्षेत्र के लालबाग में हुई। घटना का वीडियो सामने आया है। महिला ने कहा कि वह अपनी पहचान सार्वजनिक नहीं करना चाहती हैं। लेकिन वह चाहती हैं कि महिलाओं के साथ अभद्रता करने वालों का तत्काल विरोध होना चाहिए।

एलडीए रिश्वत कांड में बाराबंकी में वसूली हुई नाकाम

लखनऊ । एलडीए के 7.5 लाख रुपए के रिश्वत कांड की जांच में नया खुलासा हुआ है। विजिलेंस और एलडीए से जुड़े सूत्रों के मुताबिक, कथित बिचौलिया श्रवण कुमार पहले से एनआरआई कारोबारी जितेंद्र नारायण को निशाना बना रहा था। सूत्रों के अनुसार, बाराबंकी में निर्माण कार्य के दौरान कारोबारी से वसूली की कोशिश की गई थी, लेकिन यह सफल नहीं हुई।

लखनऊ में ऐतिहासिक धरोहरों पर शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। भारतीय संस्कृति एवं विरासत से युवा पीढ़ी को परिचित कराने के उद्देश्य से कल मंगलवार को इतिहास संस्थान, नई दिल्ली द्वारा संचालित यूथ लीडरशिप प्रोग्राम की श्रृंखला के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय, लखनऊ के सहयोग से निदेशालय सभागार में रेजिडेंसी, छतर मंजिल एवं फरहत बख्श पर आधारित एक शैक्षिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें जय प्रकाश नारायण सर्वोदय बालक एवं बालिका विद्यालय, मोहान रोड, लखनऊ एवं विद्याज्ञान स्कूल, सीतापुर के लगभग 100 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए निदेशक श्रीमती रेनू द्विवेदी ने विद्यार्थियों से स्थानीय विरासत, संग्रहालयों एवं ऐतिहासिक स्मारकों को निकट से जानने-समझने तथा उनके संरक्षण में सहभागी बनने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अपनी सांस्कृतिक धरोहरों से जुड़कर ही नई पीढ़ी अपने गौरवशाली इतिहास और पहचान को सुदृढ़ बना सकती है। मुख्य अतिथि डॉ. राजेंद्र यादव, अधीक्षण पुरात्त्वविद्, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, लखनऊ सर्किल ने कहा कि अपनी जड़ों और पूर्वजों से जुड़ाव हमारी सांस्कृतिक पहचान का आधार है। उन्होंने किस्सागोई को विरासत और इतिहास को समझने का प्रभावी माध्यम बताते हुए विद्यार्थियों को अपने परिवार के बुजुर्गों से स्थानीय इतिहास एवं परंपराओं को जानने और संरक्षित रखने के लिए प्रेरित किया। इतिहास संस्थान, नई दिल्ली की ओर से सुश्री शिवानी, सुश्री सुयशा एवं सुश्री तीशा ने विद्यार्थियों को लखनऊ की ऐतिहासिक धरोहरों के महत्व एवं संरक्षण से संबंधित रोचक जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रतिभागी विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया।

4 महीने में 12.27% अधिक राजस्व, जुलाई में 16.04% की रिकॉर्ड बढ़ोतरी

आबकारी विभाग का नया कीर्तिमान

बढ़ोतरी

तमसा संकेत, संवाददाता



- 4 माह में 20,862 करोड़ रुपये से अधिक का राजस्व
- योगी सरकार में अवैध शराब के खिलाफ व्यापक अभियान, 819 आरोपितों को भेजा गया जेल

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश का आबकारी विभाग राजस्व संग्रह और अवैध शराब के विरुद्ध कार्रवाई, दोनों मोर्चों पर लगातार बेहतर प्रदर्शन कर रहा है। वित्तीय वर्ष 2026-27 के पहले चार महीनों (अप्रैल-जुलाई) में विभाग ने 20,862.42 करोड़ रुपये का राजस्व अर्जित कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। यह पिछले वित्तीय वर्ष की समान अवधि की तुलना में 2,279.23 करोड़ रुपये यानी 12.27 प्रतिशत अधिक है। अकेले जुलाई महीने में विभाग ने 5,052.86 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त किया, जो पिछले वर्ष के जुलाई की तुलना में 16.04 प्रतिशत अधिक रहा। इस दौरान 4,673 लोगों को गिरफ्तार किया गया, 819 आरोपियों को जेल भेजा गया तथा तस्करी में प्रयुक्त 30 वाहन जब्त किए गए। जुलाई में भी 9,769 अभियोग दर्ज कर 1,704 लोगों की गिरफ्तारी कर 271 को जेल भेजा गया।

819 आरोपियों को भेजा गया जेल

आबकारी आयुक्त डॉ. आदर्श सिंह ने बताया कि राजस्व वृद्धि के साथ-साथ अवैध शराब के निर्माण, बिक्री और तस्करी पर भी सख्त कार्रवाई जारी है। अप्रैल से जून 2026 के दौरान 29,294 अभियोग दर्ज कर अवैध मदिरा एवं मादक पदार्थ बरामद किए गए।

71,278 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित

आबकारी एवं मद्य निषेध राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) नितिन अग्रवाल ने कहा कि योगी सरकार की पारदर्शी नीतियों, प्रभावी निगरानी और बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था के कारण विभाग लगातार नए रिकॉर्ड बना रहा है। सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष में आबकारी विभाग के लिए 71,278 करोड़ रुपये का राजस्व लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसे हासिल करने के लिए विभाग पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रहा है। सरकार का उद्देश्य केवल राजस्व बढ़ाना नहीं, बल्कि समाज को नशे के दुष्प्रभावों से सुरक्षित रखना भी है।

योगी सरकार प्रदेश के सभी जिलों में शत-प्रतिशत लक्ष्य पाने के लिए अभियान की गति कर रही तेज

योगी सरकार की किसान रजिस्ट्री में बड़ी उपलब्धि

- 85.19 प्रतिशत लक्ष्य पूरा, 2.45 करोड़ से अधिक किसान पंजीकृत
- गाजियाबाद और रामपुर जनपद ने 100 फीसदी लक्ष्य किया हासिल

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में किसानों को सरकारी योजनाओं का लाभ पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाया जा रहा किसान रजिस्ट्री अभियान तेजी से आगे बढ़ रहा है। इसी का परिणाम है कि प्रदेश ने किसान रजिस्ट्री की प्रगति में राष्ट्रीय स्तर पर 10वां स्थान हासिल किया है। प्रदेश ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 85.19 प्रतिशत पूरा कर लिया है, जबकि शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने के लिए अब 14.81 प्रतिशत कार्य शेष है। विभाग की समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश अब राष्ट्रीय रैंकिंग में नौवें स्थान के बेहद करीब है और अभियान को तेज गति से पूरा करने के प्रयास किए जा रहे हैं। किसान रजिस्ट्री अभियान में गाजियाबाद और रामपुर ने भारत सरकार द्वारा निर्धारित लक्ष्य का 100 प्रतिशत पंजीकरण पूरा कर प्रदेश के अन्य जिलों के लिए मिसाल पेश की है। इसके अलावा अंश निर्धारण की प्रगति में झांसी और हरदोई शीर्ष प्रदर्शन करने वाले जिलों में शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में अंश निर्धारण का कार्य भी तेजी से चल रहा है और इसकी प्रगति 88.92 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है। इससे भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण, किसान पहचान की सटीकता तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन में मदद मिलेगी।

समयबद्ध लक्ष्य के लिए बढ़ानी होगी रफ्तार

समीक्षा रिपोर्ट के अनुसार यदि अभियान को 29 अगस्त 2026 तक पूरा करना है तो प्रतिदिन लगभग 1,42,522 किसानों का पंजीकरण करना होगा। वहीं 29 सितंबर 2026 तक लक्ष्य पूरा करने के लिए प्रतिदिन 71,261 और 29 अक्टूबर 2026 तक पूरा करने के लिए प्रतिदिन 47,507 किसानों का पंजीकरण आवश्यक होगा।

2.45 करोड़ से अधिक किसानों का हुआ पंजीकरण

दरअसल, भारत सरकार ने उत्तर प्रदेश के लिए 2,88,70,495 किसानों के पंजीकरण का लक्ष्य निर्धारित किया है। इसके सापेक्ष अब तक 2,45,94,831 किसानों का सफल पंजीकरण किया जा चुका है। यानी लक्ष्य का 85.19 प्रतिशत कार्य पूरा हो चुका है। वर्तमान में 42,75,664 किसानों का पंजीकरण शेष है, जिसे जल्द पूरा करने के लिए अभियान को और गति दी जा रही है।

लखनऊ में महिला की संदिग्ध हालत में मौत

दुबग्गा। पारा थाना क्षेत्र में एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मायके पक्ष ने पति, सास-ससुर समेत सात लोगों पर दहेज के लिए प्रताड़ित करने और हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस ने मृतका के भाई की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। आजमगढ़ निवासी हबीबुर रहमान ने पारा थाने में दर्ज कराई गई तहरीर में बताया कि उसकी 25 वर्षीय बहन नैय्यबा खातून का निकाह 22 फरवरी 2025 को पारा क्षेत्र की जनता विहार कॉलोनी फेज-2, सलेमपुर पटौरा निवासी अब्दुल रहमान खान से हुआ था। आरोप है कि शादी के बाद से ही पति, सास, ससुर और अन्य ससुरालीजन अतिरिक्त दहेज की मांग को लेकर उसका लगातार मानसिक और शारीरिक उत्पीड़न करते थे। विरोध करने पर उसके साथ मारपीट की जाती थी। तहरीर के अनुसार, ससुराल पक्ष ने कारोबार के लिए रुपये की मांग की थी। बेटी का घर बसाने की उम्मीद में मृतका की मां ने 12 अक्टूबर 2025 को दो लाख रुपये चेक और तीन लाख रुपये नकद दिए थे।

'हर घर तिरंगा अभियान 2026' का आयोजन

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ । प्रदेश के समस्त जनपदों में 09 से 17 अगस्त, 2026 के बीच "हर घर तिरंगा अभियान-2026" का आयोजन किया जाएगा। इस हेतु अपर मुख्य सचिव पर्यटन एवं संस्कृति की ओर से समस्त अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव, सचिव, उ0प्र0 शासन तथा समस्त जिलाधिकारियों को विस्तृत दिशा निर्देश जारी करा दिए गए है। जिला स्तर पर इस आयोजन हेतु कार्यक्रम का समन्वय संबंधित जिलाधिकारी द्वारा किया जाएगा। जारी शासनादेश में हर घर तिरंगा अभियान-2026 को चरणबद्ध रूप से आयोजन के निर्देश दिए गए है। यह जानकारी प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री जयवीर सिंह ने बुधवार को दी। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण 06 अगस्त से 08 अगस्त, 2026 के दौरान स्कूलों की दीवारों और बोर्डों को तिरंगा से प्रेरित कलाकृतियां सजायी जाएगी। भारत सरकार के संस्कृति मंत्रालय द्वारा दिए गए निर्देशों के अनुरूप मुख्य कार्यक्रम शैक्षणिक, संस्थानों, सरकारी भवनों, शॉपिंग मॉल, रेलवेस्टेशन, हवाई अड्डा, बस अड्डा, सार्वजनिक उद्यान आदि चिन्हित स्थानों पर किया जाएगा। इसके अलावा स्कूलों, कालेजों और सार्वजनिक स्थानों आदि पर तिरंगा रंगोली प्रतियोगिता आयोजित की जाएगी।

- हर घर तिरंगा अभियान को प्रदेशव्यापी बनाते हुए इसे जनआंदोलन एंव राष्ट्रगौरव का प्रतीक बनाया जाए-जयवीर सिंह

आयोजन : उत्तर प्रदेश लगभग 38.8 मिलियन मिट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ देश में प्रथम स्थान पर

नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत 2.25 लाख रोजगार सृजित हुए

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। दुग्धशाला विकास विभाग की स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आज प्रदेश के सभी 75 जनपदों में दुग्धशाला विकास विभाग एवं पशुपालन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय जनपदीय स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव-2026 का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ तथा दुग्धशाला विकास विभाग मुख्यालय से दुग्ध आयुक्त श्रीमती धनलक्ष्मी के0 का संबोधन एवं विभागीय योजनाओं से सम्बन्धित विडियो को वेब लिंक के माध्यम से प्रसारित किया गया।

कान्क्लेव को संबोधित करते हुए दुग्ध आयुक्त ने कहा कि वर्ष 2024-25 में भारत लगभग 248 मिलियन मैट्रिक टन दुग्ध उत्पादन के साथ विश्व का सबसे बड़ा दुग्ध उत्पादक देश है, जिसमें उत्तर प्रदेश लगभग 38.8 मिलियन मिट्रिक टन दुग्ध उत्पादन एवं लगभग 16 प्रतिशत योगदान के साथ देश में प्रथम स्थान पर है। उन्होंने कहा कि डेयरी क्षेत्र ग्रामीण अर्थव्यवस्था, महिला सशक्तीकरण, रोजगार सृजन एवं किसानों की आय बढ़ाने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने बताया कि नंद बाबा दुग्ध मिशन के अंतर्गत विभिन्न योजनाओं से कुल 17,994 लाभार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है तथा 4,951 प्रारम्भिक दुग्ध सहकारी समितियों के गठन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से लगभग 2.25 लाख रोजगार सृजित हुए हैं।

आधुनिक डेयरी तकनीकों वैज्ञानिक पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, संतुलित पशु आहार तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी गई

- दुग्धशाला विकास विभाग की स्वर्ण जयंती वर्ष पर प्रदेश के सभी जनपदों में जनपदीय स्तरीय डेयरी कॉन्क्लेव - 2026 का आयोजन किया गया
- कार्यक्रम में पूरे प्रदेश में 2100 नव चयनित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-सवंर्धन योजना, 1500 से अधिक मिनी नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना तथा 450 से अधिक नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना के लाभार्थियों को चयन पत्र वितरित किये गये

समितियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की

कॉन्क्लेव में जनप्रतिनिधियों, जिला प्रशासन के अधिकारियों, पशुपालन एवं कृषि विज्ञान केन्द्रों, दुग्ध संघों के प्रतिनिधियों, प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक किसानों, पशुपालकों, स्वयं सहायता समूहों तथा दुग्ध सहकारी समितियों के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। विभागीय अधिकारियों एवं विशेषज्ञों ने आधुनिक डेयरी तकनीकों वैज्ञानिक पशुपालन, पशु स्वास्थ्य, संतुलित पशु आहार तथा विभागीय योजनाओं की जानकारी दी।

दुग्ध आयुक्त ने सभी हितधारकों से विभागीय योजनाओं का अधिकतम लाभ उठाने, आधुनिक एवं वैज्ञानिक पशुपालन तकनीकों को अपनाने तथा प्रदेश के डेयरी क्षेत्र को और अधिक समृद्ध एवं आत्मनिर्भर बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया।

अभिभावकों की सहमति से तैयार की जा रही डिजिटल आईडी

एक संस्थान से दूसरे संस्थान में प्रवेश प्रक्रिया होगी सुगम

- विधान परिषद में 'अपार आईडी' योजना पर बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने रखा सरकार का पक्ष
- 12 डिजिट की अपार आईडी से छात्र-छात्राओं के सभी शैक्षिक प्रपत्र जीवन भर रहेंगे सुरक्षित और डिजिटली वेरीफाइड

तमसा संकेत, संवाददाता



लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के मानसून सत्र-2026 के तृतीय दिवस सदन की कार्यवाही में सहभाग करते हुए प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने बेसिक शिक्षा विभाग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर सरकार का पक्ष रखा तथा सार्थक चर्चा की। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनकल्याण, सुशासन एवं समग्र विकास के संकल्प के साथ उत्तर प्रदेश को प्रगति की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए निरंतर प्रतिबद्ध है। विधान परिषद में चर्चा के दौरान बेसिक शिक्षा मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि सरकार द्वारा बच्चों के शैक्षणिक रिकॉर्ड का डिजिटलीकरण करने और उनके समस्त दस्तावेजों को एक ही स्थान पर सुरक्षित रखने के लिए एक पारदर्शी व्यवस्था बनाई गई है। इस संबंध में भारत सरकार द्वारा छात्रों के हित में 'अपार (APAAR) आईडी' योजना का शुभारंभ किया गया है, जिसके अंतर्गत प्रत्येक बच्चे के लिए 12 डिजिट की एक यूनिक आईडी बनाई जाती है। यह डिजिटल आईडी बच्चे के लिए जीवन भर उपयोगी साबित होगी, जिससे उसके सभी शैक्षिक प्रपत्र डिजिटल रूप से सुरक्षित रहेंगे और किसी भी शैक्षणिक संस्थान में जाने पर तत्काल डिजिटल वेरिफिकेशन संभव हो सकेगा। इससे छात्र-छात्राओं के एक संस्थान से दूसरे संस्थान में स्थानांतरण एवं प्रवेश की प्रक्रिया भी बेहद सुलभ होगी।

सपा के पूर्व एमएलसी पर छात्रों को धमकाने का आरोप

बाराबंकी में ओम साई राम कॉलेज में परीक्षा परिणाम रोकने पर विवाद

धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी राजेश यादव उर्फ राजू यादव पर छात्रों को धमकाने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामला कुर्सी क्षेत्र स्थित ओम साई राम ग्रुप ऑफ कॉलेज का है, जहां बीएससी एग्रीकल्चर के छात्रों का अंतिम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम रोके जाने के बाद विवाद गहरा गया है।

छात्रों का आरोप है कि अधिकारियों से शिकायत करने पर उन्हें फोन के माध्यम से धमकाया गया। हालांकि, पूर्व एमएलसी ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कॉलेज प्रबंधन से अपना सीधा संबंध होने से इनकार किया है। छात्रों के मुताबिक, 15 जून को उन्होंने पूरे मामले की



शिकायत जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर की थी। आरोप है कि इसके बाद पूर्व एमएलसी राजू यादव ने व्हाट्सएप कॉल कर उन्हें धमकाया।

छात्रों का दावा है कि कॉल पर कहा गया, जो करना था कर चुके, अब ज्यादा भाग-दौड़ की तो भविष्य बर्बाद कर दूंगा। इस कथित धमकी के बाद छात्र भयभीत हो गए और उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी और एसडीएम से करते हुए सुरक्षा की मांग की।

पूर्व एमएलसी ने आरोपों को बताया बेबुनियाद

विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व एमएलसी राजेश यादव उर्फ राजू यादव ने सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है। उनका कहना है कि उनका कॉलेज के संचालन से कोई संबंध नहीं है।

उन्होंने कहा कि कॉलेज की सीईओ उनकी पत्नी हैं

और उनके खिलाफ लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह निराधार एवं राजनीति से प्रेरित हैं।

छात्रों ने समाजवादी पार्टी पर दोहरा रवैया अपनाने का आरोप लगाते हुए कहा कि एक ओर पार्टी सार्वजनिक मंचों पर छात्रों के अधिकारों की बात करती है, जबकि दूसरी ओर उनसे जुड़े संस्थान में छात्रों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है।

हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है और मामले की जांच प्रशासनिक स्तर पर की जानी बाकी है।

पीड़ित छात्रों का कहना है कि वे आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों से आते हैं और उन्होंने कठिन परिस्थितियों में अपनी फीस जमा कर पढ़ाई पूरी की है। अब परिणाम रोके जाने से उनका भविष्य अधर में लटक गया है। छात्रों ने प्रशासन से जल्द परीक्षा परिणाम जारी कराने, पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा उन्हें सुरक्षा उपलब्ध कराने की मांग की है।

अंतिम सेमेस्टर का परिणाम रोके जाने से शुरू हुआ विवाद

पीड़ित छात्रों नीरज यादव और राहुल कुमार यादव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 में बीएससी एग्रीकल्चर में प्रवेश लिया था। उनका कहना है कि सभी सेमेस्टर की परीक्षाएं पूरी होने के बावजूद अंतिम सेमेस्टर का परिणाम अब तक जारी नहीं किया गया है। छात्रों का आरोप है कि कॉलेज में एक विवादित शिक्षक नियमित रूप से कक्षाएं नहीं लेते थे। जब छात्रों ने पढ़ाई और नियमित शिक्षण की मांग की तो कॉलेज प्रबंधन उनसे नाराज हो गया। इसी रंजिश के चलते करीब 15 छात्रों का अंतिम सेमेस्टर का परिणाम रोक दिया गया।



समाजवादी नेता जनेश्वर मिश्रा की जयंती मनाई गई

सपा जिला कार्यालय में गोष्ठी का आयोजन

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई में समाजवादी पार्टी ने बुधवार दोपहर 1 बजे अपने जिला कार्यालय पर 'छोटे लोहिया' के नाम से प्रसिद्ध स्वर्गीय जनेश्वर मिश्रा की जयंती मनाई। यह कार्यक्रम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश और प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल की अनुमति से आयोजित किया गया। निवर्तमान जिलाध्यक्ष शराफत अली की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया। कार्यक्रम के उपरांत आयोजित गोष्ठी को संबोधित करते हुए शराफत अली ने कहा कि जनेश्वर मिश्रा डॉ. राम मनोहर लोहिया के अनन्य सहयोगी और समाजवाद के सच्चे पुरोधा थे। उनका पूरा जीवन समाजवादी विचारधारा को जन-जन तक



पहुंचाने में समर्पित रहा। शराफत अली ने बताया कि छात्र जीवन से ही जनेश्वर मिश्रा ने जन-समस्याओं के लिए आंदोलन किए और कई बार जेल भी गए। सांसद के रूप में और विदेश व पेट्रोलियम जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालयों का कार्यभार संभालते हुए भी उन्होंने हमेशा कार्यकर्ताओं को समाजवाद का पाठ पढ़ाया। उन्होंने जनेश्वर मिश्रा के संवेदन-शील मुद्दों पर बेबाक विचारों का उल्लेख किया, जैसे गरीब को ही सांप क्यों काटता है? और छात्र संघों की बहाली।

फास्ट न्यूज

आजाद समाज पार्टी के नेता पर एफआईआर दर्ज

सुलतानपुर। सुल्तानपुर में आजाद समाज पार्टी के एक पदाधिकारी के खिलाफ आपत्ति-जनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर आपराधिक मामला दर्ज किया गया है ।उन पर धार्मिक और जातीय भावनाओं को भड़काने का आरोप है। उन्होंने बताया कि 2 अगस्त को लंभुआ विधानसभा से आजाद समाज पार्टी के संगठन मंत्री आशीष आजाद ने अपने ट्विटर हैंडल (bhim_army_lamb-hua_001) से एक विवादित और अमर्यादित पोस्ट साझा की थी।

तेंदुए ने मजदूर पर किया हमला

मुरादाबाद। मुरादाबाद के डिलारी क्षेत्र में बुधवार सुबह तेंदुए के हमले से एक मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना के बाद इलाके में दहशत फैल गई। ग्रामीणों ने घायल को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे जिला अस्पताल मुरादाबाद रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार, डिलारी निवासी मजदूर बाबू बुधवार सुबह करीब 7:45 बजे काम पर जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में झाड़ियों से निकले तेंदुए ने उस पर अचानक हमला कर दिया। हमले में बाबू गंभीर रूप से घायल हो गया।

किसान नेता ने केंद्रीय कृषि मंत्री से उठाए मुद्दे

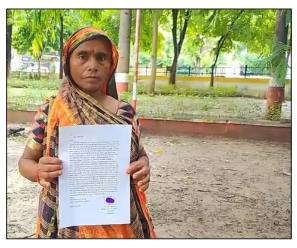
उन्नाव। किसान समन्वय समिति से जुड़े देशभर के किसान संगठनों के प्रतिनिधि-मंडल ने मंगलवार रात नई दिल्ली में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल में शामिल उन्नाव के किसान आंदोलन के प्रदेश सचिव अजय अनमोल ने उत्तर प्रदेश के आलू किसानों की समस्याओं के साथ-साथ ट्रांस गंगा सिटी परियोजना से प्रभावित किसानों का मामला प्रमुखता से उठाया।

महिला से जमीन के नाम पर 5 लाख की ठगी

उन्नाव में फर्जी बैनामा कराने का आरोप, पीड़िता ने रढ से लगाई न्याय की गुहार

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के अजगैन थाना क्षेत्र के कुंजपुर गांव की निवासी एक महिला ने जमीन दिलाने के नाम पर पांच लाख रुपये से अधिक की ठगी का आरोप लगाया है। पीड़िता रामरती ने बुधवार दोपहर पुलिस अधीक्षक से शिकायत कर न्याय की गुहार लगाई। रामरती ने एसपी को दिए शिकायती पत्र में बताया कि गांव के मुकेश कुमार ने उन्हें अपना प्लॉट बेचने की बात कही थी। परिवार से सलाह के बाद दो बिस्वा जमीन का सौदा 5.17 लाख रुपये में तय हुआ। मुकेश ने खरीदार को रजिस्ट्री कार्यालय ले जाए बिना स्वयं रजिस्ट्री कराने का आश्वासन दिया था। रामरती और उनके



परिवार ने अलग-अलग तारीखों पर ऑनलाइन और नकद माध्यम से कुल 4.99 लाख रुपये मुकेश कुमार और उनकी पत्नी कुसुमा के खातों में जमा किए। इसके बाद 28 जनवरी 2026 को नोटरी के माध्यम से एक शपथ पत्र तैयार कर उन्हें दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि जब वह खरीदी गई जमीन पर निर्माण कार्य शुरू कराने पहुंचीं, तो गांव निवासी मुरली ने जमीन पर अपना स्वामित्व जताया और काम रुकवा दिया। खतौनी निकलवाने पर पता चला कि भूमि का वास्तविक मालिक मुरली ही है। विवाद से बचने के लिए रामरती को मुरली को दो लाख रुपये देकर उसी जमीन का विधिवत बैनामा कराना पड़ा।

रामरती का कहना है कि जब उनके पति ने मुकेश कुमार से दिए गए रुपये वापस मांगे, तो वह टालमटोल करता रहा। बाद में उसने रुपये लौटाने से साफ इनकार कर दिया और गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी भी दी। बुधवार को एसपी कार्यालय पहुंची रामरती ने बताया कि उन्होंने जमीन खरीदने के लिए ब्याज पर रुपये और ऋण लेकर यह रकम जुटाई थी।

उर्वरक दुकानों पर जिला कृषि अधिकारी का छापा

उन्नाव। उन्नाव में खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण और निर्धारित मूल्य पर उर्वरक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार को जिला कृषि अधिकारी शशांक ने सफीपुर और सदर तहसील क्षेत्र में उर्वरक प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान दो उर्वरक विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित कर दिए गए, जबकि एक सहकारी समिति को कड़ी चेतावनी जारी की गई। निरीक्षण के दौरान जिला कृषि अधिकारी ने अपेक्षा पाल खाद भंडार, प्रभात कृषि सेवा केंद्र सफीपुर, द्विवेदी खाद भंडार सफीपुर, यादव खाद भंडार मुंडाकुल और उदाशाह साधन सहकारी समिति का जायजा लिया। अपेक्षा पाल खाद भंडार पर उर्वरक वितरण में अनियमितताएं पाई गईं। वहीं, यादव खाद भंडार निरीक्षण के समय बंद मिला, जिसके चलते दोनों के उर्वरक लाइसेंस तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिए गए। उदाशाह साधन सहकारी समिति में भी कई कमियां सामने आईं।

उन्नाव में पुलिस की पाठशाला

छात्रों को साइबर सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों की जानकारी दी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सन-डी-सन पब्लिक इंटर कॉलेज में बुधवार दोपहर को पुलिस की पाठशाला कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसका आयोजन साइबर क्राइम थाना, यातायात पुलिस और मिशन शक्ति टीम ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम का उद्देश्य छात्र-छात्राओं को साइबर अपराध, महिला सुरक्षा, यातायात नियमों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करना था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि क्षेत्राधिकारी यातायात अजय सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि डिजिटल युग में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। उन्होंने युवाओं को सतर्क रहने की सलाह दी और ऑनलाइन लेनदेन में सावधानी बरतने, अनजान लिंक पर क्लिक न करने और ओटीपी, बैंक खाते व व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने को कहा। साइबर



ठगी का शिकार होने पर तत्काल साइबर हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की अपील भी की गई। साइबर थाना से आए आरक्षी समसुद्दीन और आरक्षी मोनू यादव ने छात्रों को विभिन्न साइबर अपराधों जैसे फिशिंग, डिजिटल अरेस्ट, फर्जी कॉल, सोशल मीडिया फ्रॉड, फर्जी लिंक, ऑनलाइन निवेश और ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने साइबर अपराधियों के नए तरीकों से बचाव के उपाय भी बताए। मिशन शक्ति अभियान के तहत कोतवाली सदर पुलिस टीम ने छात्राओं को महिला सुरक्षा, आत्मरक्षा, आत्मविश्वास, महिला हेल्पलाइन सेवाओं और उनके कानूनी अधिकारों के बारे में बताया। छात्राओं से कहा गया कि किसी भी समस्या की स्थिति में बिना संकोच पुलिस और हेल्पलाइन सेवाओं से संपर्क करें। यातायात विभाग की ओर से ट्रैफिक इंस्पेक्टर सुनील सिंह, उपनिरीक्षक तिलक और उपनिरीक्षक अनिल सिंह ने सड़क सुरक्षा नियमों पर विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने हेलमेट और सीट बेल्ट के अनिवार्य उपयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन करने, नशे में वाहन न चलाने और ड्राइविंग के दौरान मोबाइल फोन का प्रयोग न करने की सलाह दी। अधिकारियों ने जोर दिया कि यातायात नियमों का पालन कर सड़क दुर्घटनाओं को प्रभावी ढंग से कम किया जा सकता है। कार्यक्रम के समापन पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया।

कांग्रेस ने जलभराव, बिजली समस्या पर प्रशासन को चेताया

8 अगस्त को प्रयागराज जाएंगे छात्र, राहुल गांधी से करेंगे मुलाकात

तमसा संकेत, एजेंसी

हरदोई। हरदोई शहर कांग्रेस कमेटी की मासिक बैठक बुधवार को दोपहर 1:30 बजे नागेटा रोड स्थित कांग्रेस कार्यालय में संपन्न हुई। शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जनसमस्याओं और छात्र हितों से जुड़े प्रमुख मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। आगामी आंदोलनों की रूपरेखा भी तय की गई। बैठक में 'छात्रों की गूंज' अभियान के तहत 8 अगस्त को प्रयागराज के पी. ग्राउंड में आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारियों पर मंथन हुआ। इस कार्यक्रम में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। निर्णय लिया गया कि हरदोई से लगभग 100 छात्र-छात्राएं ट्रेन और निजी वाहनों द्वारा प्रयागराज पहुंचकर राहुल गांधी को अपनी समस्याओं से अवगत कराएंगे। इसके अतिरिक्त, शहर में लगातार बारिश से उत्पन्न



जलभराव, नालियों की खराब सफाई और घंटों बाधित रहने वाली बिजली व्यवस्था पर गहरी चिंता व्यक्त की गई। इन समस्याओं के विरोध में 11 अगस्त को शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कांग्रेस ने चेतावनी दी है कि यदि बिजली आपूर्ति में जल्द सुधार नहीं हुआ तो विद्युत विभाग के अधिकारियों का घेराव कर जनआं-दोलन शुरू किया जाएगा। शहर अध्यक्ष अनुपम दीक्षित और पूर्व जिला अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि कांग्रेस हमेशा जनता और छात्रों की बुलंद आवाज रही है।

लखनऊ-कानपुर हाइवे पर उन्नाव में हादसा, ठेले से टकराकर सड़क पर गिरा था

स्कूटी सवार युवक को डंपर ने कुचला

मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के सदर कोतवाली क्षेत्र में बुधवार दोपहर एक दर्दनाक सड़क हादसे में स्कूटी सवार युवक की जान चली गई। लखनऊ-कानपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर नवीन मंडी पुल के पास तेज रफ्तार अज्ञात डंपर ने स्कूटी सवार युवक को कुचल दिया। हादसा इतना भीषण था कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना के बाद डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। पुलिस फरार डंपर और उसके चालक की तलाश में जुट गई है। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान मियागंज थाना क्षेत्र के



हैदराबाद गांव निवासी 25 वर्षीय मोहम्मद इरफान, पुत्र रमजान अली, के रूप में हुई है। परिजनों ने बताया कि इरफान एक निजी फैक्ट्री में सप्लायर के रूप में कार्य करता था। बुधवार दोपहर वह किसी जरूरी काम से स्कूटी से उन्नाव की ओर जा रहा था। इसी दौरान नवीन मंडी पुल के पास पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात डंपर ने उसे टक्कर मार दी और कुचलते हुए निकल गया। प्रत्यक्षदर्शियों की सूचना पर सदर कोतवाली पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन लेकर फरार हो गया।

ठेले से टकराकर सड़क पर गिरा, पीछे से डंपर ने कुचला

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोपहर करीब 12 बजे नवीन मंडी पुल के पास एक सब्जी विक्रेता गलत दिशा से ठेला लेकर हाईवे पार कर रहा था। इसी दौरान इरफान की स्कूटी ठेले से टकरा गई। टक्कर के बाद वह सड़क पर गिर पड़ा। तभी पीछे से आ रहे तेज रफ्तार डंपर ने उसे कुचल दिया। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को जिला अस्पताल भेज दिया। दुर्घटना के चलते कुछ देर हाईवे पर यातायात प्रभावित रहा, जिसे बाद में सामान्य करा दिया गया। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि फरार डंपर और उसके चालक की पहचान की जा सके।



पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में गलत दिशा से आ रहे ठेले के कारण हादसा होने की बात सामने आई है। हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। युवक की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

कार्यवाई : बात नहीं मानने पर मासूम बेटी से रेप की धमकी दी, सुल्तानपुर विधायक बोले- आरोप झूठे

भाजपा विधायक ने कपड़े फाड़े, निजी अंग छुए : महिला

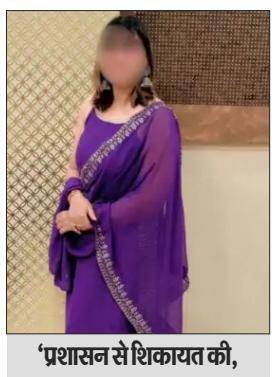
तमसा संकेत, एजेंसी

3 जुलाई को दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस करके महिला ने बताया- विधायक ने मुझे धमकाते हुए कहा था कि अगर मेरी बात नहीं मानोगी तो तुम्हें बर्बाद कर दूंगा। मेरे पीछे 12-15 लोगों को लगा दिया। एसिड फेंकने और पति-बच्चों को मारने की धमकी दी जा रही है। पुलिस में शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई।



सुलतानपुर। यूपी के सुल्तानपुर से भाजपा विधायक विनोद सिंह पर महिला ने दुष्कर्म की कोशिश और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। महिला का आरोप है कि विधायक ने उसकी बेटी का रेप करवाने की धमकी देकर उसे घर बुलाया। उससे रेप की कोशिश की। उसके प्राइवेट पार्ट को छुआ। उसके कपड़े फाड़ दिए। किसी तरह उसने धक्का देकर खुद को बचाया। इधर, भाजपा विधायक ने इन सभी आरोपों को खारिज कर दिया। कहा- महिला के पति पर जालसाजी और धोखाधड़ी का केस दर्ज है। इसलिए गिरफ्तारी से बचने के लिए उसने अपनी पत्नी को आगे करके मेरे चरित्र हनन के मकसद से झूठे आरोप लगवाए हैं। मुझे कोर्ट पर भरोसा है। जांच में सच्चाई सामने आ जाएगी। महिला ने कहा- मेरे साथ रेप नहीं हो पाया, लेकिन इसकी कोशिश की गई। विधायक ने धमकी दी- मैंने बहुत लोगों को ठिकाने लगाया है। पूर्व विधायक समेत कई लोगों को खत्म कर चुका हूं। तुम तो कुछ भी नहीं हो। इसके बाद 4 जून को विधायक ने 12-15 लोगों को पीछे लगा दिया। इनमें बलिया और जौनपुर के लोग भी शामिल हैं। घटना के बाद मैंने परिवार को जानकारी दी। परिवार की सलाह पर अपार्टमेंट खाली कर गोमती नगर में किराए का मकान ले लिया। विधायक के सुल्तानपुर से लौटने के बाद उसे फोन आने लगे। परिवार ने फोन बंद करने और विधायक से बात नहीं करने की सलाह दी। महराजगंज में सर्विलांस प्रभारी मृत्युंजय सिंह मेरी लोकेशन निकालकर उन्हें देते थे। 4 जून से मैं दिल्ली में हूं। महिला आयोग में शिकायत की, जहां से रिसीविंग मिली। जीरो FIR के लिए भी कोशिश की। कोर्ट गई, लेकिन कहीं सुनवाई नहीं हुई। महिला आयोग में शिकायत के बाद विधायक ने लखनऊ में उसके खिलाफ 420 की FIR दर्ज करा दी।

महिला ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके बताया- विधायक और मेरा परिवार लखनऊ के हजरतगंज स्थित एक अपार्टमेंट में रहते थे। विधायक चौथी मंजिल पर रहते थे। 3-4 महीने से मेरे पीछे पड़े थे। अपने गनर धनंजय यादव के जरिए मुझे बुलवाते थे। धनंजय कहते थे- अगर आप सर की बात नहीं मानेंगी तो आपकी या आपकी 10 साल की बेटी का सामूहिक रेप करवा दूंगा। बेटी के डर से मुझे उनके पास जाना पड़ता था। 3 जून की रात 10:30 बजे धनंजय मुझे फ्लैट से बुलाने आए।



'प्रशासन से शिकायत की, लेकिन एफआईआर नहीं हुई'

महिला ने बताया- वारदात के 3-4 दिन बाद डरते हुए हजरत-गंज थाने गई। इंस्पेक्टर विक्रम सिंह को आवेदन दिया। उन्होंने आवेदन रख लिया, लेकिन रिसीविंग नहीं दी। प्रशासन भी विधायक का साथ दे रहा है। विधायक के जीजा आलोक कुमार सिंह DG हैं।

छात्रा से स्कूल में लगवाई झाड़ू

वीडियो सामने आने पर प्रधानाध्यापिका को कारण बताओ नोटिस जारी

तमसा संकेत, एजेंसी

उन्नाव। उन्नाव के हिलौली विकासखंड के एक परिषदीय विद्यालय में छात्रा से झाड़ू लगवाने का वीडियो बुधवार दोपहर सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इस घटना के बाद शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया। खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) ने तत्काल संज्ञान लेते हुए विद्यालय की इंचार्ज प्रधाना-ध्यापिका को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। यह मामला हिलौली ब्लॉक क्षेत्र के उच्च प्राथमिक विद्यालय पिंडुरी का है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में एक छात्रा स्कूल यूनिफॉर्म पहने हुए विद्यालय परिसर में झाड़ू लगाती दिखाई दे रही है। छात्रा के हाथों में किताब-



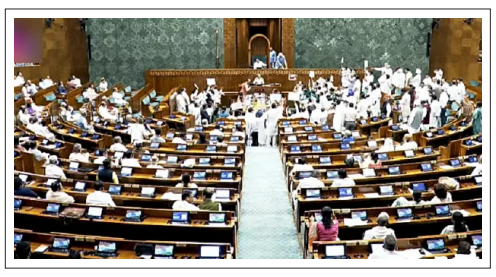
कॉपी की जगह झाड़ू दिखाई देने से शिक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे हैं। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय लोगों और अभिभावकों ने भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि सरकारी स्कूलों में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के बजाय उनसे सफाई जैसे कार्य कराना शिक्षा विभाग के निर्देशों के विपरीत है। शासन और विभाग की ओर से पहले भी स्पष्ट निर्देश दिए जा चुके हैं कि विद्यालयों में छात्र-छात्राओं से किसी प्रकार का श्रम कार्य नहीं कराया जाएगा। मामले की जानकारी मिलते ही हिलौली के खंड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार ने तत्काल कार्रवाई करते हुए वायरल वीडियो का संज्ञान लिया। उन्होंने बताया कि उच्च प्राथमिक विद्यालय पिंडुरी की इंचार्ज प्रधानाध्यापिका श्रद्धा रानी को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है।

बीईओ ने कहा कि प्रधानाध्या-पिका का स्पष्टीकरण प्राप्त होने के बाद पूरे मामले की जांच कराई जाएगी। यदि जांच में आरोप सही पाए जाते हैं तो संबंधित के विरुद्ध विभागीय नियमों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने यह भी दोहराया कि विद्यालयों में बच्चों से किसी भी प्रकार का कार्य कराना स्वीकार्य नहीं है और ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा।

सम्पादकीय

बहस के बजाय हंगामा



लोकसभा और राज्यसभा में शोर-शराबे के बीच जिस तरह विधेयक प्रस्तुत एवं पारित हो रहे हैं, उससे संसदीय चर्चा के गिरते स्तर का ही पता चलता है। संसद में हंगामा करके विपक्ष अपना ही नहीं, देश का भी नुकसान कर रहा है, क्योंकि जनता को पता ही नहीं चल पा रहा है कि जो विधेयक बिना किसी बहस के पारित हो रहे हैं, उनके गुण-दोष क्या हैं और उनसे उसे क्या हासिल होने वाला है?

यह सामान्य बात नहीं कि पेपर लीक विरोधी कानून में संशोधन वाले विधेयक पर तो संसद में चर्चा हुई, लेकिन अन्य अनेक विधेयकों के मामले में विपक्ष ने इसकी नौबत ही नहीं आने दी। विपक्ष हंगामा करने में व्यस्त है और सरकार लोकसभा और राज्यसभा से विधेयक पारित कराने में। संसद में विचार-विमर्श के स्थान पर हंगामा करके विपक्ष एक तरह से सत्तापक्ष का काम ही आसान कर रहा है।

वह सरकार को जवाबदेह बनाने के अवसर अपने हाथों गंवा रहा है। आखिर किसी भी सरकार के लिए इससे सुविधाजनक और क्या होगा कि उससे जनहित के मुद्दों और महत्वपूर्ण विधेयकों के प्रविधानों पर कुछ पूछा ही न जाए? जब विपक्ष के लिए यह चिंता का विषय बनना चाहिए कि सरकार अपना विधायी काम आसानी से पूरा कर ले रही है, तब वह हंगामा करके खुश है।

यह नकारात्मक राजनीति की पराकाष्ठा ही नहीं, अपने संसदीय दायित्वों से मुंह मोड़ने वाला आचरण है। ऐसा लगता है कि विपक्षी दल इस नतीजे पर पहुंच गए हैं कि अब किसी मुद्दे पर कोई सार्थक बहस करने से बेहतर है हंगामा करना। यह एक तरह से संसद का निरादर है।

विपक्ष इस निष्कर्ष पर भी पहुंच गया लगता है कि बात-बात पर मंत्री के इस्तीफे की मांग करके वह अपनी गंभीरता प्रदर्शित करने में सफल हो जा रहा है। सच यह है कि यह गैर-जिम्मेदाराना रवैया है, क्योंकि संसद का दायित्व राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर चर्चा करना और देश को दिशा देना है।

संसद है ही इसीलिए कि वह जनहित के विषयों पर चर्चा करे और यदि सरकार किसी मुद्दे पर बहस से बचती दिखे, तो उसे इसके लिए विवश करे। बीते कुछ दिनों से विपक्ष राम मंदिर में चढ़ावा चोरी को लेकर गृह मंत्री के त्यागपत्र की मांग यह जानते हुए भी करने में लगा हुआ है कि इस मामले से उनका कोई लेना-देना नहीं। विपक्षी दल इतने नादान नहीं हो सकते कि यह न जानते हों कि धार्मिक स्थलों में दान की चोरी होती रहती है और इस समस्या का समाधान किसी मंत्री के इस्तीफे की मांग करने से नहीं होने वाला। इसके बाद भी वे राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के मामले में गृह मंत्री का त्यागपत्र चाह रहे हैं। कल को यदि किसी मठ, मंदिर, चर्च, मस्जिद आदि में दान की चोरी का मामला सामने आता है तो क्या वे फिर से गृह मंत्री का त्यागपत्र मांगेंगे?

समय व्यतीत करना

समय बड़ा बलवान होता है।वह जो बीत गया वो वापिस लौट कर नहीं आता हैं । हम जन्म-लेते हैं । हमारे जब कुछ समझ आती है तो उस समय हम उचित कार्य यह सोच कर टाल देते हैं कि भविष्य में वह काम कर लेंगे। समय अपनी गति से चलता रहता है।वह जो कार्य जिस समय हमको करना चाहिये उसे नहीं करके हम नादानी में समय उजुल-फ़िजूल बातों में नष्ट कर देते हैं।वह जब समय दस्तक देता है तब याद आता है कि जिस कार्य को हम्हें बहुत पहले करना था वो समय तो हमने नष्ट कर दिया।उस समय यह मुहावरा याद आता है कि ,अब पछताये तो क्या होगा,जब चिड़िया चुग गयी खेत । एक घटना प्रसंग एक नगर के एक छोटे से स्कूल में एक लड़का, मनोज पढ़ता था। मनोज के परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं थी । अतः मनोज के कपड़े भी पुराने थे, जूते फटे हुए थे, और वह अक्सर अपनी पढ़ाई में पीछे रह जाता था । उसको साथ में पढ़ने वाले बच्चे चिढ़ाते और मास्टर जी भी उसे डांटते। एक दिन स्कूल में एक नई शिक्षिका अनिता मैडम आईं। उन्होंने मनोज से पूछा कि तुम्हारा जीवन में सबसे बड़ा सपना क्या है? तो मनोज ने कहा मैडम, मुझे लगता है कि मैं कुछ नहीं कर सकता। अनिता मैडम यह सुनकर मुस्कुराईं और बोलीं ऐसे नहीं सोचते है तो वह बोला कैसे ? तो मैडम बोली हर इंसान के अंदर एक खास गुण होता है। वह अगर तुम सकारात्मकता से सही सोचोगे लक्ष्य की तरफ बढ़ोगे और मेहनत करोगे तो तुम्हारे जीवन भी कुछ भी असंभव नहीं है । वह तुमको जीवन के लक्ष्य अगर सोने नहीं देते हैं तो समझना तुम सही राह पर हो और उन्होंने मनोज को हर दिन स्कूल में कुछ नया सीखने और खुद पर विश्वास करने के लिए प्रेरित किया। धीरे-धीरे मनोज ने अपनी पढ़ाई में ध्यान देना शुरू किया। वह हर समस्या का हल ढूंढ़ने की कोशिश करता और अपने कमजोर विषयों पर ज्यादा मेहनत करता।

› प्रदीप छाजेड़

आधुनिक और आत्मनिर्भर ग्राम पंचायतों से बदल रही प्रदेश की तस्वीर

गाजियाबाद की ग्राम पंचायत कुशलिया ने प्रस्तुत किया विकास का अनुकरणीय मॉडल

> 66 प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा चलाए जा रहे इन एकीकृत प्रयासों के परिणामस्वरूप राज्य की अनेक ग्राम पंचायतों ने राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न सम्मान एवं पुरस्कार प्राप्त कर पूरे प्रदेश को गौरवान्वित किया है।



उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के सर्वांगीण विकास हेतु ग्रामीण स्वायत्तता एवं ग्राम पंचायतों के समग्र सशक्तीकरण को प्राथमिक आधार मानते हुए निरंतर निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी के 'ग्राम स्वराज' और 'आत्मनिर्भर भारत' के विजन को व्यावहारिक धरातल पर साकार करने के उद्देश्य से प्रदेश की 57,000 से अधिक ग्राम पंचायतों को आधुनिक, सक्षम और आत्मनिर्भर इकाइयों के रूप में विकसित किया जा रहा है। राज्य सरकार की नीतिगत प्राथमिकताओं में यह स्पष्ट रूप से निहित है कि जब तक ग्रामीण क्षेत्र प्रशासनिक, वित्तीय और तकनीकी रूप से सुदृढ़ नहीं होंगे, तब तक प्रदेश को सर्वोत्तम अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य प्राप्त नहीं किया जा सकता। इसी दिशा में बहुआयामी कार्ययोजनाओं को धरातल पर उतारा गया है, जिससे ग्रामीण शासन व्यवस्था में अभूतपूर्व पारदर्शिता और गतिशीलता आई है। प्रदेश में लागू की गई इन विकासपरक नीतियों और जमीनी सशक्तीकरण का एक उत्कृष्ट उदाहरण जनपद गाजियाबाद के विकास खंड रजापुर स्थित ग्राम पंचायत कुशलिया है। ग्राम पंचायत कुशलिया ने ग्रामीण विकास एवं जन-कल्याण के क्षेत्र में नवाचार, पारदर्शिता और जन-भागीदारी को आधार बनाकर एक आदर्श मॉडल पंचायत के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की है। केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जन-कल्याणकारी योजनाओं के पारदर्शी क्रियान्वयन, डिजिटल सेवाओं की सुगम उपलब्धता, जल संरक्षण, पर्यावरण संवर्धन तथा आधुनिक बुनियादी ढांचे के विकास से इस ग्राम पंचायत ने ग्रामीणों को उनके जीवन स्तर में गुणात्मक परिवर्तन प्रदान किया है। आज यह पंचायत पूरे राज्य में ग्रामीण परिदृश्य को आधुनिकता के सांचे में परिवर्तित करने का एक मॉडल प्रारूप बन गई।

ग्रामीण सशक्तिकरण और विकास की कड़ी में, प्रदेश भर में स्थापित 'पंचायत सचिवालय' ग्रामीण सशक्तीकरण के केंद्र में एक ऐतिहासिक और दूरगामी पहल सिद्ध हुए हैं। प्रदेश सरकार द्वारा प्रत्येक ग्राम पंचायत में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त पंचायत भवन सह सचिवालय का निर्माण कराया गया है। इन सचिवालयों में पंचायत सहायकों और कंप्यूटर ऑपरेटरों की तैनाती के साथ जन-सेवा केंद्रों (सीएससी) का सफल एकीकरण किया गया है। ग्राम पंचायत कुशलिया में भी पंचायत सचिवालय के माध्यम से जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, परिवार रजिस्टर की नकल, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, राशन कार्ड तथा फैमिली आईडी जैसी आवश्यक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त आयुष्मान कार्ड, पैन कार्ड तथा वृद्धावस्था, दिव्यांग एवं विधवा पेंशन जैसी महत्वपूर्ण डिजिटल शासकीय सेवाएं गांव के भीतर ही सुलभ कराई जा रही हैं। इससे ग्रामीणों को अब तहसील या जिला मुख्यालयों के चक्कर लगाने से पूर्ण रूप से मुक्ति मिल गई है, जिससे उनके बहुमूल्य समय और धन की बचत सुनिश्चित हो रही है।

शिक्षा और बौद्धिक विकास को जमीनी स्तर पर बढ़ावा देने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री पुरस्कार योजना के अंतर्गत प्राप्त अनुदान राशि का अत्यंत सार्थक उपयोग किया गया है। इसके तहत ग्राम पंचायत कुशलिया में एक अत्याधुनिक डिजिटल पुस्तकालय का निर्माण कराया गया है। यह नव-निर्मित पुस्तकालय विद्यार्थियों, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे युवा वर्ग एवं स्थानीय पाठकों के लिए ज्ञान और अध्ययन का मुख्य केंद्र बनकर उभरा है। डिजिटल संसाधनों और उच्च स्तरीय पाठ्य सामग्री से युक्त इस केंद्र ने ग्रामीण अंचल में एक बेहतरीन शैक्षणिक माहौल को सुदृढ़ किया है। डिजिटल गवर्नेंस के राष्ट्रव्यापी विस्तार को गति प्रदान करते हुए प्रदेश में 'ई-ग्राम स्वराज पोर्टल' तथा 'पब्लिक फाइनेंशियल मैनेजमेंट सिस्टम' (पीएफएमएस) को पूर्ण रूप से प्रभावी बनाया गया है। इन प्रणालियों के माध्यम से विकास योजनाओं के निर्माण से लेकर धन के हस्तांतरण और अंतिम भुगतान तक की पूरी प्रक्रिया शत-प्रतिशत ऑनलाइन और पारदर्शी हो चुकी है।

सरकारी परियोजनाओं की सघन निगरानी हेतु अब जीपीएस-टैग फोटो और जियो-टैगिंग जैसी आधुनिक तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है। इस तकनीकी हस्तक्षेप से विकास कार्यों की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार दर्ज किया गया है। इसके साथ ही, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को आत्मनिर्भर बनाने और वित्तीय स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिए पंचायतों को अपने स्तर पर राजस्व संग्रह के अधिकार प्रदान किए गए हैं।

ग्राम पंचायत कुशलिया ने अपनी स्वयं की आय (ओन सोर्स रेवेन्यू) में वृद्धि का एक अनूठा और अनुकरणीय मॉडल प्रस्तुत किया है। पंचायत में जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में डोर-टू-डोर कूड़ा संग्रहण की एक व्यवस्थित प्रणाली लागू की गई है। इस प्रणाली से जहां एक ओर गांव में पूर्ण स्वच्छता सुनिश्चित हो रही है, वहीं दूसरी ओर उपयोगकर्ता शुल्क के रूप में पंचायत की आय में निरंतर वृद्धि हो रही है।

इस प्रकार प्राप्त हो रहे राजस्व का शत-प्रतिशत पुनर्निवेश स्थानीय विकास कार्यों और नागरिक सुविधाओं को गति देने में किया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, सामुदायिक शौचालयों के निर्माण और रोस्टर के अनुसार गांव की सड़कों तथा नालियों की नियमित सफाई व्यवस्था से संक्रामक बीमारियों की रोकथाम संभव हुई है, जिससे एक अत्यंत स्वच्छ वातावरण का निर्माण हुआ है। पर्यावरण संरक्षण और जल संचयन की दिशा में भी ग्राम पंचायत कुशलिया का कार्य उत्कृष्ट श्रेणी का है। जल स्रोतों की स्वच्छता बनाए रखने के लिए गांव के तालाबों में गंदे पानी के प्रवेश को रोकने हेतु वैज्ञानिक पद्धति पर आधारित प्रभावी फिल्टर चौंबरों का निर्माण कराया गया है। केंद्र सरकार की अत्यंत महत्वाकांक्षी 'अमृत सरोवर योजना' के अंतर्गत स्थानीय तालाबों का वृहद स्तर पर पुनरुद्धार कर उनकी जल संचयन क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि की गई है। इस सुनियोजित प्रयास से स्थानीय भूजल स्तर में भारी सुधार दर्ज किया गया है। पर्यावरण संतुलन को दीर्घकाल तक बनाए रखने के लिए गांव में व्यापक स्तर पर पौधरोपण अभियान चलाए गए हैं और वृक्षों के संरक्षण पर विशेष बल दिया जा रहा है।

डॉ0 सीमा गुप्ता

पंचामृत योजना का...

लखनऊ पंचामृत योजना से उत्तर प्रदेश को मिली नई उड़ान



उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा राज्य के समग्र और संतुलित विकास को गति देने के लिए ₹पंचामृत योजना₹ एक व्यापक और दूरदर्शी अवधारणा के रूप में प्रस्तुत की गई है। इस योजना का उद्देश्य विकास के विभिन्न आयामोंकृकृषि, बुनियादी ढांचा, औद्योगिक विकास, सामाजिक कल्याण और सुशासनकृको एक साथ जोड़कर राज्य को प्रगति के नए पथ पर अग्रसर करना है। ₹पंचामृत₹ का अर्थ है पाँच ऐसे महत्त्वपूर्ण तत्व, जो मिलकर समाज के समग्र उत्थान का मार्ग प्रशस्त करते हैं। इसी विचार के आधार पर उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य के विकास को पाँच प्रमुख स्तंभों पर केंद्रित करते हुए इस योजना को लागू करने का प्रयास किया है।

पंचामृत योजना का मूल उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विकास केवल शहरों तक सीमित न रहकर गाँवों और दूरदराज के क्षेत्रों तक भी पहुँचे। उत्तर प्रदेश एक विशाल और विविधतापूर्ण राज्य है, जहाँ बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में निवास करती है और कृषि पर निर्भर है। ऐसे में विकास की रणनीति भी व्यापक और समावेशी होनी चाहिए। पंचामृत योजना इसी समावेशी विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है, जो राज्य के हर वर्ग और क्षेत्र को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। इस योजना के अंतर्गत पहला प्रमुख स्तंभ कृषि और किसान कल्याण है। उत्तर प्रदेश की अर्थव्यवस्था का आधार कृषि है, और राज्य की बड़ी आबादी इससे जुड़ी हुई है। इसलिए किसानों की आय बढ़ाना, आधुनिक कृषि तकनीकों को बढ़ावा देना और कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना इस योजना का प्रमुख लक्ष्य है। इसके तहत सिंचाई सुविधाओं का विस्तार, उन्नत बीजों का उपयोग, कृषि यंत्रीकरण और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित किया जा रहा है। साथ ही, किसानों को बाजार तक बेहतर पहुँच प्रदान करने और उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए विभिन्न योजनाएँ लागू की जा रही है।

दूसरा महत्त्वपूर्ण स्तंभ बुनियादी ढांचे का विकास है। किसी भी राज्य के विकास के लिए मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर अत्यंत आवश्यक होता है। उत्तर प्रदेश में सड़कों, एक्सप्रेस-वे, रेल नेटवर्क, हवाई अड्डों और बिजली आपूर्ति के क्षेत्र में तेजी से काम किया जा रहा है। इससे न केवल लोगों की आवाजाही आसान हुई है, बल्कि व्यापार और उद्योग को भी बढ़ावा मिला है। बेहतर बुनियादी ढांचा निवेश को आकर्षित करता है और रोजगार के अवसरों को बढ़ाता है, जिससे राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। तीसरा स्तंभ औद्योगिक विकास और रोजगार सृजन है। पंचामृत योजना के तहत राज्य में उद्योगों को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है। निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विभिन्न नीतियाँ बनाई गई है और औद्योगिक क्षेत्रों का विकास किया जा रहा है। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (डैडम्) को विशेष प्रोत्साहन दिया जा रहा है, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उत्पन्न हो रहे हैं। इसके साथ ही, स्टार्टअप्स और नवाचार को भी बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे युवा उद्यमिता को प्रोत्साहन मिल रहा है।

चौथा स्तंभ सामाजिक विकास और कल्याण से जुड़ा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और सामाजिक सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सुधार इस योजना का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

इस परिवर्तन...

प्रवीण मालवीय

2300 मेगावॉट रूफटॉप सोलर विद्युत उत्पादन क्षमता के साथ, देश में दूसरे स्थान पर पहुंचा उत्तर प्रदेश

मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के दूरदर्शी नेतृत्व, प्रभावी नीतियों और प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के हरित एवं आत्मनिर्भर भारत के विजन को गति देने के संकल्प का परिणाम है कि उत्तर प्रदेश आज सौर ऊर्जा के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों को छू रहा है। बढ़ती बिजली की मांग को स्वच्छ और टिकाऊ ऊर्जा से पूरा करने की दिशा में प्रदेश ने उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। आज उत्तर प्रदेश लगभग 6.70 लाख संयंत्र स्थापित करते हुए 2300 मेगावॉट की रूफटॉप सोलर क्षमता के साथ देश में दूसरे स्थान पर पहुंच चुका है। प्रदेश की यह उपलब्धि केवल आंकड़ों की सफलता नहीं, बल्कि ऊर्जा आत्मनिर्भरता, पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी पर आधारित विकास मॉडल की मिसाल है। मुख्यमंत्री जी ने सत्ता संभालने के बाद ऊर्जा क्षेत्र को विकास का आधार बनाया। एक ओर प्रदेश में रिकॉर्ड बिजली उत्पादन और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित की गई, तो दूसरी ओर भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए सौर ऊर्जा को व्यापक स्तर पर प्रोत्साहित किया गया। सरकार ने ऐसी नीतियां बनाई जिनसे आम नागरिक भी ऊर्जा उत्पादन में सहभागी बन सके। इसी सोच का परिणाम है कि आज लाखों परिवार अपने घरों की छतों पर सोलर पैनल लगाकर न केवल स्वयं की बिजली की जरूरत पूरी कर रहे हैं, बल्कि बिजली बिल में भी बड़ी बचत कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश में रूफटॉप सोलर को लेकर लोगों का बढ़ता विश्वास इस बात का प्रमाण है कि सरकार की योजनाएं प्रभावी ढंग से जमीन पर उतर रही हैं। पारदर्शी ऑनलाइन प्रक्रिया, सरल आवेदन व्यवस्था, समयबद्ध स्वीकृति, केंद्र और राज्य सरकार की सब्सिडी तथा तकनीकी सहायता ने इस अभियान को जनआंदोलन का रूप दे दिया है। प्रदेश सरकार ने यह सुनिश्चित किया कि सौर ऊर्जा केवल बड़े उद्योगों तक सीमित न रहे, बल्कि हर घर तक पहुंचे।

इस परिवर्तन का सबसे बड़ा उदाहरण राजधानी लखनऊ है, जिसने पूरे प्रदेश में सौर ऊर्जा अपनाने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। आज लखनऊ में 1.23 लाख से अधिक घरों में रूफटॉप सोलर पैनल लगाए जा चुके हैं। इनकी कुल स्थापित क्षमता लगभग 426 मेगावॉट है, जो प्रदेश में सर्वाधिक है। प्रदेश की राजधानी ने स्वच्छ ऊर्जा अपना कर पूरे प्रदेश का मार्गदर्शन किया है। रूफटाप सोलर लखनऊ ही नहीं, बल्कि धार्मिक नगरी वाराणसी और औद्योगिक नगर कानपुर भी इस हरित क्रांति में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। वाराणसी में लगभग 163 मेगावॉट तथा कानपुर में 147 मेगावॉट क्षमता के रूफटॉप सोलर संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं। प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में स्वच्छ ऊर्जा के प्रति जागरूकता लगातार बढ़ रही है और लोग पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री जी की योजनाबद्ध कार्यशैली का प्रभाव प्रदेश के सभी विद्युत वितरण क्षेत्रों में दिखाई दे रहा है। मध्यांचल विद्युत वितरण निगम के अंतर्गत आने वाले जिलों में रूफटॉप सोलर की क्षमता 931 मेगावॉट तक पहुंच चुकी है, जो पूरे प्रदेश में सर्वाधिक है।

जरा हटके

पुराणों के अनुसार ...

आचार्य पंडित उत्कर्ष तिवारी

श्रावण मास में भगवान शिव की उपासना का महत्व एवं कामना के अनुसार पूजन का शास्त्रीय विधान



सनातन धर्म में श्रावण मास भगवान शिव का सर्वाधिक प्रिय एवं पुण्यदायी मास माना गया है। इस पावन मास में श्रद्धा, भक्ति और विधि-विधानपूर्वक भगवान शिव की आराधना करने से साधक को आध्यात्मिक उन्नति, मानसिक शांति, उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु तथा समस्त पापों एवं कष्टों से मुक्ति की प्राप्ति होती है। श्रावण केवल एक मास नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि, तप, संयम, सेवा और शिवभक्ति का दिव्य पर्व है।

पुराणों के अनुसार समुद्र मंथन के समय निकले कालकूट (हलाहल) विष को सम्पूर्ण सृष्टि की रक्षा हेतु भगवान शिव ने अपने कण्ठ में धारण किया। विष की तीव्र उष्णता को शांत करने के लिए देवताओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। तभी से श्रावण मास में शिवलिंग पर जल, दुग्ध, गंगाजल, बिल्वपत्र, धतूरा, पुष्प एवं अन्य पूजन सामग्रियों का अर्पण अत्यंत पुण्यदायक एवं शिवप्रिय माना जाता है।

शास्त्रों में कहा गया है—

शिवं पूजयते नित्यं श्रावणे भक्तितत्परः।
तस्य पापानि नश्यन्ति शिवलोकं स गच्छति॥

अर्थात् जो भक्त श्रावण मास में श्रद्धा एवं भक्ति के साथ भगवान शिव की नित्य पूजा करता है, उसके समस्त पाप नष्ट हो जाते हैं तथा उसे भगवान शिव की कृपा एवं परम कल्याण की प्राप्ति होती है।

श्रावण मास में रुद्राभिषेक, जलाभिषेक, महामृत्युंजय मंत्र जप, पंचाक्षरी मंत्र ₹ॐ नमः शिवाय₹ का जप, सोमवार व्रत तथा शिवपुराण का श्रवण विशेष फलदायी माना गया है। भगवान शिव आशुतोष हैं, अर्थात् वे अल्प उपासना से भी शीघ्र प्रसन्न होकर अपने भक्तों की मनोकामनाएँ पूर्ण करते हैं।

कामना के अनुसार भगवान शिव की उपासना

शिवमहापुराण के शिवपूजा-विधान (अध्याय 14) में विभिन्न इच्छाओं की पूर्ति के लिए पुष्प, पत्र, अन्न तथा पार्थिव शिवलिंग पूजन का विशेष विधान बताया गया है।

पुष्प एवं पत्रों से प्राप्त होने वाले फल

- कमल, बिल्वपत्र, कुशपुष्प एवं शंखपुष्पी से पूजन करने पर धन-लाभ होता है।
- एक लाख पुष्पों से शिवार्चन करने पर स्थिर एवं प्रचुर लक्ष्मी की प्राप्ति होती है।
- दस करोड़ पार्थिव शिवलिंगों के पूजन से राज्य एवं सर्वोच्च ऐश्वर्य की प्राप्ति होती है।
- शंखपुष्पी से पूजन करने पर इस लोक एवं परलोक की समस्त कामनाएँ पूर्ण होती हैं।
- एक लाख पार्थिव शिवलिंग पूजन से कारावास से मुक्ति प्राप्त होती है।
- पचास हजार पार्थिव शिवलिंग पूजन से रोगों से मुक्ति मिलती है।
- पच्चीस हजार पार्थिव शिवलिंग पूजन से कन्या-प्राप्ति का फल मिलता है।
- दूर्वा अर्पित करने से दीर्घायु प्राप्त होती है।
- धतूरा के पुष्प एवं फल अर्पित करने से पुत्र-प्राप्ति का फल मिलता है।
- अगस्त्य पुष्प से महान यश एवं कीर्ति प्राप्त होती है।
- तुलसी से पूजन करने पर सुख-भोग एवं मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- श्वेत मदार अर्पित करने से प्रताप एवं प्रभाव में वृद्धि होती है।
- गुड़हल (अड़उल) के पुष्प से शत्रुओं का नाश होता है।
- कनेर के पुष्प से रोग-शांति एवं उच्चाटन का फल प्राप्त होता है।
- गुलदुपहरिया के पुष्प से आभूषणों की प्राप्ति होती है।
- चमेली के पुष्प से वाहन-सुख प्राप्त होता है।
- अलसी के पुष्प अर्पित करने से भगवान विष्णु की भक्ति प्राप्त होती है।
- शमी-पत्र से पूजन करने पर मोक्ष की प्राप्ति होती है।
- मल्लिका (मोगरा) के पुष्प से योग्य जीवनसंगिनी की प्राप्ति होती है।
- जूही के पुष्प से धान्य एवं अन्न की वृद्धि होती है।
- हरसिंगार (पारिजात) के पुष्प से सुख एवं समृद्धि प्राप्त होती है।

अन्न अर्पण का फल

- अक्षत (अखंड चावल) — धन की वृद्धि।
- तिल — महापापों का नाश।
- जौ — स्वर्ग की प्राप्ति।
- गेहूँ — संतान-वृद्धि।
- मूंग — सुख एवं समृद्धि।
- सरसों — शत्रुओं का नाश।
- अरहर के पत्ते — विविध प्रकार के सुखों की प्राप्ति।

विशेष सावधानी

शास्त्रों में वर्णित है कि केवड़ा एवं चम्पा के पुष्प भगवान शिव को अर्पित नहीं किए जाते, जबकि इनके अतिरिक्त अधिकांश सुगंधित पुष्प भगवान शिव को समर्पित किए जा सकते हैं।



श्रावण मास आत्मकल्याण, लोककल्याण और शिवकृपा प्राप्त करने का सर्वोत्तम अवसर है। यदि श्रद्धा, विश्वास और शास्त्रीय विधि से भगवान शिव की उपासना की जाए तो साधक के जीवन में आध्यात्मिक उन्नति के साथ-साथ सुख, समृद्धि, आरोग्य एवं मनोवांछित सिद्धियों का मार्ग प्रशस्त होता है। अतः प्रत्येक शिवभक्त को इस पावन मास का सदुपयोग करते हुए नित्य शिवपूजन, रुद्राभिषेक, मंत्रजप तथा धर्ममय जीवन का संकल्प अवश्य लेना चाहिए।

शामली में दिनदहाड़े कार्बाइन से 5 राउंड फायरिंग, सिपाही के पेट में लगी गोली

कैराना से हिंदुओं को भगाने का आरोपी एनकाउंटर में ढेर

फायरिंग

तमसा संकेत, एजेंसी

शामली। शामली में बुधवार दोपहर दिनदहाड़े हुई मुठभेड़ में एक लाख का इनामी बदमाश मोहम्मद फुरकान मारा गया। उसने पुलिस को देखते ही कार्बाइन और पिस्टल से करीब 5 राउंड ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी थी। मुठभेड़ में एक सिपाही के पेट में गोली लगी है। इसके बाद पुलिस टीम ने खुद को बचाते हुए जवाब दिया। इस दौरान फुरकान को गोली लगी और वह गिर गया। फुरकान और सिपाही को तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने बदमाश को मृत घोषित कर दिया।



एसपी एनपी सिंह ने बताया- बुधवार दोपहर 12 बजे थाना झिंझाना के एसएचओ बीरेंद्र कसाना को सूचना मिली कि इनामी बदमाश फुरकान अपने साथी के साथ रंगाना गांव के बगल में पोल्ट्री फॉर्म पर आया है। तत्काल उन्होंने अपने स्वाट प्रभारी राहुल सिसौदिया और बाबरी थाने के एसओ को सूचना दी।

एसपी बोले- कैराना में कहर बरपाया था

SP ने बताया- 2014 में फुरकान मुकीम काला गैंग से जुड़ा था। इस गैंग ने कैराना में कहर बरपाया था। 10 दिन के अंदर रंगदारी मांगने के लिए तीन व्यापारियों की हत्या की थी। इसके बाद ही कैराना से पलायन शुरू हुआ था।



फुरकान के पास से पुलिस को कार्बाइन और पिस्टल बरामद हुई है।





2021 में सीएम कैराना पहुंचे थे। उन्होंने पीड़ित परिवारों से मुलाकात की थी।

फुरकान का पत्नी और बेटा ड्रग तस्कर

फुरकान के परिवार में उसकी पत्नी रेशमा के अलावा 4 बच्चे हैं। इनमें 3 बेटे और एक बेटी है। बेटी की शादी हो चुकी है। बड़े बेटे का नाम खफील है। वह स्मैक तस्करी का आरोपी है। फुरकान की पत्नी रेशमा भी ड्रग तस्करी के आरोप में जेल जा चुकी है। फुरकान ने अगस्त 2014 में कैराना नगर के मुख्य चौक बाजार में दिनदहाड़े व्यापारी नेता विनोद सिंघल की रंगदारी न देने पर गोली मारकर हत्या कर दी थी। विनोद उस वक्त अपनी किराना की दुकान पर बैठे थे।

दूसरे के मकान की तस्वीर लगाकर आवास से वंचित करने का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

सूरतगंज (बाराबंकी)। ब्लॉक की ग्राम पंचायत सूरतगंज के घोषिनपुरवा गांव निवासी शांति पत्नी सुरेश ने ग्राम पंचायत सचिव पर आवास योजना की जांच रिपोर्ट में गंभीर अनियमितता का आरोप लगाया है। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर शिकायत दर्ज कराने के बाद भी उन्हें प्रधानमंत्री /मुख्यमंत्री आवास योजना का लाभ नहीं मिला। महिला शांति के अनुसार, शिकायत के निस्तारण में वास्तविक स्थिति की जांच नहीं की गई। इसके बजाय, किसी दूसरे व्यक्ति के मकान की तस्वीर लगाकर उन्हें आवास योजना के लिए अपात्र घोषित कर दिया गया। शांति का कहना है कि वह इस योजना की पात्र लाभार्थी हैं और उन्होंने कई बार ग्राम पंचायत स्तर पर आवेदन भी किया था। शांति ने आरोप लगाया कि ग्राम पंचायत सचिव चंद्रशेखर गुप्ता द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट पूरी तरह से गलत है। रिपोर्ट में जिस पक्के मकान की तस्वीर का इस्तेमाल किया गया है, वह उनका नहीं बल्कि किसी और का है। उनका दावा है कि उनकी जानकारी और सहमति के बिना यह फर्जी रिपोर्ट तैयार कर शिकायत का निस्तारण कर दिया गया। महिला ने प्रशासन से इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि मौके पर सही जांच की जाए तो वास्तविक स्थिति सामने आ जाएगी। शांति ने उच्च अधिकारियों से मामले की पुनः जांच, गलत रिपोर्ट को निरस्त करने और दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्रवाई की अपील की है। उन्होंने पात्र लाभार्थियों को पारदर्शी तरीके से योजना का लाभ देने की भी मांग की है। इस संबंध में ग्राम पंचायत सचिव चंद्रशेखर गुप्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता ने आवास के लिए आवेदन किया था, लेकिन वर्तमान में आवास योजना की साइट नहीं चल रही है। उन्होंने कहा कि शिकायतकर्ता के हित में ही यह रिपोर्ट लगाई गई है, ताकि साइट शुरू होते ही उनका नाम दर्ज कर उन्हें आवास उपलब्ध कराया जा सके।



फास्ट न्यूज

जौहर यूनिवर्सिटी पर अभी नहीं चलेगा बुलडोजर

मुरादाबाद। रामपुर की जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों पर कोर्ट में केस रहने तक बुलडोजर नहीं चलेगा। यह आदेश कमिश्नर आंजनेय कुमार सिंह की कोर्ट ने सोमवार शाम 4:45 बजे दिया। कोर्ट में करीब ढाई घंटे तक सुनवाई चली। अगली सुनवाई के लिए अगली तारीख 10 अगस्त तय की गई है। तब रामपुर विकास प्राधिकरण (RDA) के उपाध्यक्ष एवं जिलाधिकारी के जौहर यूनिवर्सिटी के 38 भवनों के ध्वस्तीकरण आदेश पर रोक लगा दी गई थी।

अमीर बनने के लिए अफसर की बेटी ठग बनी

गोरखपुर। 'मैं गरिमा सिंह, अप्रैल 2026 तक अरबपति बनूंगी। यह मेरा लक्ष्य है। मेरे सभी लोन अप्रैल से मई तक खत्म हो जाएंगे। अप्रैल से मई तक मेरा लक्ष्य 100 करोड़ रुपए कमाना है। गरिमा सिंह करोड़पति है। धन्यवाद भगवान।' ये लाइनें गोरखपुर के स्टेशन अधीक्षक की बेटी गरिमा सिंह ने डायरी में लिखीं। करोड़पति बनने के अपने लक्ष्य को पूरा करने के लिए गरिमा ने लोन दिलाने और उसे माफ कराने के नाम पर 10 से अधिक लोगों से 3.67 करोड़ रुपए ठग लिए। 3 जुलाई (सोमवार) को गोरखपुर एम्स थाने की पुलिस ने गरिमा सिंह और उसके पिता को गिरफ्तार कर लिया।

किसान को सांप ने डसा

मुरादाबाद। मुरादाबाद के डिलारी थाना क्षेत्र में खेत में चारा काटते समय एक किसान को सांप ने डस लिया। घटना के बाद किसान की तबीयत बिगड़ने लगी, जिसके बाद परिजन उसे तत्काल जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद किसान को निगरानी में रखा है और उसकी हालत खतरे से बाहर बताई है।

मिड-डे मील में बच्चों को पानी जैसी सब्जी खिलाई

रोटियां फेंककर दी गईं, सीतापुर में प्रिंसिपल सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर के प्राइमरी स्कूल में बच्चों को पानी जैसी सब्जी खिलाने पर BSA ने प्रिंसिपल को सस्पेंड कर दिया। रसोइया की सेवा समाप्त करने के साथ ब्लॉक एजुकेशन ऑफिसर (BEO) को भी नोटिस दिया गया है। स्कूल में पानी जैसी सब्जी और फेंककर रोटी देने का वीडियो सोमवार को सामने आया था। मंगलवार को स्कूल में छुट्टी होने पर बुधवार को BSA टीम के साथ जांच करने पहुंचे। यहां बच्चों ने वीडियो को सही बताया और मिड-डे मील में खराब खाना दिए जाने की शिकायत की। मामला जिला मुख्यालय से 75 किमी दूर महमूदाबाद विकासखंड का है। छंगापुरा के प्राथमिक स्कूल में कक्षा- 1 से 5 तक के 63 बच्चे पढ़ाई करते हैं। यहां



प्रिंसिपल कल्पना वर्मा के अलावा 4 टीचर और 2 रसोइया हैं। बच्चे दोपहर में स्कूल में बनने वाला मिड-डे मील खाते हैं।

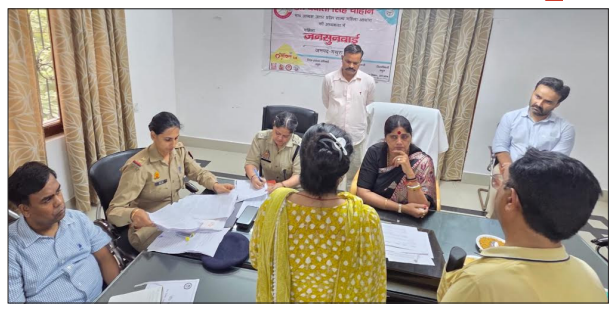
सोमवार को मेन्यू के हिसाब से सब्जी-रोटी बननी थी। सोमवार दोपहर बच्चों को आलू-तरोई की सब्जी और रोटी दी गई, तो थाली में पानी ही पानी दिख रहा था। बच्चे पहले भी खराब खाना मिलने की शिकायत अपने घरवालों से कर चुके थे। घरवालों ने इसकी शिकायत ग्राम प्रधान दयाराम से की थी।

महिला आयोग अध्यक्ष ने मथुरा में कन्या जन्मोत्सव

जनसुनवाई और शक्ति संवाद कार्यक्रम में लिया भाग

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने बुधवार को जनपद मथुरा के दौरे के दौरान जिला महिला चिकित्सालय का निरीक्षण किया। निरीक्षण के बाद आयोजित कन्या जन्मोत्सव में नवजात बालिकाओं के जन्म पर माताओं को 20 बेबी किट वितरित की गई तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी संपन्न कराई गई। उन्होंने कन्या जन्म को समाज के लिए गौरव बताते हुए बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा पर विशेष जोर दिया। इसके बाद निरीक्षण भवन में महिला सुरक्षा, महिला कल्याण और महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित



की गई। बैठक के दौरान हुई जनसुनवाई में महिलाओं की कुल 22 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें अधिकांश पुलिस और राजस्व विभाग से संबंधित थीं। डॉ. चौहान ने संबंधित अधिकारियों को सभी शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विकास खंड मथुरा में आयोजित शक्ति संवाद कार्यक्रम में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं को सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, कौशल विकास और सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई। डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कहा कि प्रत्येक पात्र महिला तक शासन की योजनाओं का लाभ पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता है।

संभल हिंसा : सपा सांसद बर्क ने भीड़ को उकसाया था

न्यायिक आयोग ने रिपोर्ट में दोषी माना, कहा- 4 मौतें पुलिस की गोली से नहीं हुईं

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/संभल। उत्तर प्रदेश के संभल में 24 नवंबर 2024 को हुई हिंसा को लेकर गठित न्यायिक आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। 369 पृष्ठों की इस रिपोर्ट में आयोग ने हिंसा को पूर्व नियोजित साजिश का परिणाम बताया है। आयोग के अनुसार, अदालत के आदेश पर चल रहे सर्वे को रोकने और राजनीतिक प्रभाव बनाए रखने के उद्देश्य से भीड़ को भड़काया गया, जिसके बाद हिंसक घटनाएं हुईं। राज्य सरकार द्वारा गठित न्यायिक आयोग ने बुधवार को अपनी विस्तृत रिपोर्ट सरकार को सौंपी। इसके बाद रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर भी रखा गया। आयोग ने अपनी जांच 199 गवाहों के बयान, फोरेंसिक रिपोर्ट, वीडियो फुटेज, दस्तावेजों और पुलिस रिकॉर्ड के आधार पर पूरी की है। रिपोर्ट में संभल से सांसद जिया-उर-रहमान बर्क, संभल विधायक इकबाल



19 नवंबर, 2024 को हिंदू पक्ष ने संभल की शाही जामा मस्जिद को श्रीहरिहर मंदिर होने का दावा कर सर्वे की मांग की थी।

महमूद के बेटे सोहेल इकबाल, जामा मस्जिद इंतेजामिया कमेटी के अध्यक्ष जफर अली, सचिव मशहूद अली फारुकी, उपाध्यक्ष लद्दन खान, अधिवक्ता कासिम जमाल सहित इंतेजामिया कमेटी के अन्य सदस्यों की भूमिका का उल्लेख किया गया है।

लाश जंगल की जर्जर कोठरी में फेंकी, इंस्टाग्राम पर मैसेज के बाद घर से निकला था

बीपीटी छात्र को बांके से काटा

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में समाजवादी पार्टी के पूर्व एमएलसी राजेश यादव उर्फ राजू यादव पर छात्रों को धमकाने के गंभीर आरोप लगे हैं। मामला कुर्सी क्षेत्र स्थित ओम साई राम ग्रुप ऑफ कॉलेज का है, जहां बीएससी एग्रीकल्चर के छात्रों का अंतिम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम रोके जाने के बाद विवाद गहरा गया है। छात्रों का आरोप है कि अधिकारियों से शिकायत करने पर उन्हें फोन के माध्यम से धमकाया गया। हालांकि, पूर्व एमएलसी ने इन आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए कॉलेज प्रबंधन से अपना सीधा संबंध होने से इनकार किया है। पीड़ित छात्रों नीरज यादव और राहुल कुमार यादव ने बताया कि उन्होंने वर्ष 2022 में बीएससी एग्रीकल्चर में प्रवेश



लिया था। उनका कहना है कि सभी सेमेस्टर की परीक्षाएं पूरी होने के बावजूद अंतिम सेमेस्टर का परिणाम अब तक जारी नहीं किया गया है।

छात्रों का आरोप है कि कॉलेज में एक विवादित शिक्षक नियमित रूप से कक्षाएं नहीं लेते थे। जब छात्रों ने पढ़ाई और नियमित शिक्षण की मांग की तो कॉलेज प्रबंधन उनसे नाराज हो गया। इसी रंजिश के चलते करीब 15 छात्रों का अंतिम सेमेस्टर का परिणाम रोक दिया गया। छात्रों के मुताबिक, 15 जून को उन्होंने पूरे मामले की शिकायत जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर की थी।

पुलिस ने विपिन के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

बाइक से 50 मीटर की दूरी पर मिला शव

बुधवार दोपहर सूचना मिली कि धौरेरा के जंगल में एक स्प्लेंडर बाइक लावारिस खड़ी है। परिजन मौके पर पहुंचे तो बाइक विपिन की निकली। इसके बाद आसपास तलाश की गई तो करीब 50 मीटर दूर एक टूटी-फूटी कोठरी में उसका शव पड़ा मिला। सूचना पर जैंत थाना पुलिस और अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस को शव के पास एक बांका मिला है। आशंका है कि इसी धारदार हथियार से वार कर हत्या की गई। वहीं, कोठरी से कुछ दूरी पर शराब और बीयर की बोतलें भी पड़ी मिलीं। इससे पुलिस को शक है कि आरोपी पहले वहां बैठे थे और फिर वारदात को अंजाम दिया।

आरोप है कि इसके बाद पूर्व एमएलसी राजू

किसी से रंजिश नहीं, हर एंगल से जांच

सीओ सदर वरुण मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। फोरेंसिक टीम ने भी मौके से साक्ष्य जुटाए हैं।

हत्या की वजह और आरोपियों तक पहुंचने के लिए हर पहलू की जांच की जा रही है। मृतक के चाचा नेत्रपाल ने बताया कि विपिन की किसी से कोई रंजिश नहीं थी। आखिर उसे किसने और क्यों बुलाया, फिर उसकी हत्या क्यों की गई, इसका जवाब अब पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा।

यादव ने व्हाट्सएप कॉल कर उन्हें धमकाया। छात्रों का दावा है कि कॉल पर कहा गया, जो करना था कर चुके, अब ज्यादा भाग-दौड़ की तो भविष्य बर्बाद कर दूंगा।ह इस कथित धमकी के बाद छात्र भयभीत हो गए और उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस अधीक्षक, जिलाधिकारी और एसडीएम से करते हुए सुरक्षा की मांग की।

1172 ग्राम हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार, स्कूटी भी बरामद



तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। थाना हाईवे पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) आगरा यूनिट की संयुक्त कार्रवाई में दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने उनके कब्जे से 1172 ग्राम अवैध हेरोइन तथा घटना में प्रयुक्त एक होंडा एक्टिवा स्कूटी बरामद की है। पुलिस के अनुसार मुखबिर की सूचना पर पालीखेड़ा चौराहे से आगे सलेमपुर पेट्रोल पंप के पास बंद पड़े मकान के सामने से अलीगढ़ निवासी इमरान (30) और शहबाज (22) को गिरफ्तार किया गया। दोनों के खिलाफ थाना हाईवे में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/21/60 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। यह कार्रवाई थाना हाईवे पुलिस और एएनटी-एफ आगरा की संयुक्त टीम ने क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी प्रवीण कुमार तिवारी एवं एएनटीएफ के क्षेत्राधिकारी उमेश पंवार के निर्देशन में की।

अंतिम दर्शन : देखते ही बड़ी बहन बिलख पड़ी, रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान गई थी जान

18 दिन बाद कानपुर पहुंचा मर्चेंट अफसर का शव

- मर्चेंट नेवी अफसर के घर के सभी सदस्यों का रो-रोकर बुरा हाल है।
- शव आवास पर पहुंचते ही अंतिम दर्शन के लिए आस-पड़ोसी और रश्तेदारों की भीड़ जुट गई। शव को ताबूद में एंबुलेंस से उतारा गया।

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। रूस-यूक्रेन युद्ध में जान गंवाने वाले मर्चेंट नेवी चीफ ऑफिसर सागर गुप्ता का पार्थिव शरीर 18 दिन बाद कानपुर पहुंचा। यहां शास्त्री नगर स्थित उनके आवास शव पहुंचते ही मां बिलखी, बड़ी बहन फूट-फूटकर रो पड़ी। अंतिम दर्शन के लिए घर के बाहर आस-पड़ोसियों और



रिश्तेदारों की भीड़ जुट गई। परिवार ने सरकार से सागर को शहीद का दर्जा, उचित मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने की मांग की है। परिजनों के अनुसार, 18 जुलाई को ब्लैक सी में ड्यूटी के दौरान सागर जिस जहाज पर तैनात थे, उस पर हमला हुआ था। पहले हमले के बाद उन्होंने जहाज पर मौजूद

तिरंगा ओढ़ाते हुए कहा- सम्मान मांगा था, नहीं मिला

परिवार की एक शिकायत भी सरकार से सामने आई। तिरंगा ओढ़ाते हुए परिवार के लोग बोले- हमने भाई के लिए सम्मान मांगा था, वो शहीद हुआ है। लेकिन सम्मान नहीं दिया गया। उसे तिरंगे में लाना चाहिए था। मर्चेंट नेवी अफसर सागर गुप्ता की भतीजी लक्ष्मी ने सदर तहसीलदार विनय कुमार द्विवेदी के सामने मांगें रखीं। उन्होंने ज्ञापन सौंपकर कहा कि सागर को शहीद का दर्जा, उचित मुआवजा और एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए।

आठ क्रू मेंबर्स को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। इसके बाद वह जहाज को सुरक्षित क्षेत्र में ले जाने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान दूसरा हमला हुआ, जिसमें उनकी मौत हो गई। परिवार को इस घटना की जानकारी 21 जुलाई को सागर के एक मित्र के फोन से मिली थी। इसके बाद से ही परिजन पार्थिव शरीर के भारत आने का इंतजार कर रहे थे। सागर गुप्ता के परिवारजनों ने सरकार से मांग की है कि उनके बलिदान को देखते हुए उन्हें शहीद का दर्जा दिया जाए। साथ ही परिवार को उचित आर्थिक मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी दी जाए, ताकि भविष्य में परिवार का सहारा बना रहे। सागर गुप्ता के परिवार में पत्नी शालू गुप्ता, पांच वर्षीय बेटी गौरी, सात



महीने के बेटे कृष्णा, मां रामादेवी, बड़े भाई मनीष गुप्ता, भाभी ज्योति गुप्ता और दो भतीजे हैं। परिजनों का कहना है कि सागर ने अपने कर्तव्य को सर्वोपरि रखते हुए पहले साथियों की जान बचाई और उसी दौरान अपनी जान गंवा दी।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर कंटेनर ने 3 कांवड़ियों को रौंदा

बाइक से हरिद्वार गंगाजल लेने जा रहे थे, सभी अलीगढ़ के रहने वाले

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ में सावन माह के दौरान बुधवार सुबह करीब 4:30 बजे तड़के हरिद्वार से गंगाजल लेने जा रहे तीन कांवड़ियों की सड़क हादसे में मौत हो गयी। यह हादसा दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर पीछे से आए तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और तीनों कांवड़िये उछलकर कई मीटर सड़क पर दूर जा गिरे। गंभीर हालत में अस्पताल पहुंचाए गए तीनों श्रद्धालुओं को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, अलीगढ़ निवासी 26 वर्षीय प्रदीप, 24 वर्षीय राजकुमार और 29 वर्षीय ज्ञान प्रकाश



हरिद्वार से गंगाजल लेकर वापस घर लौट रहे थे। उनकी बाइक दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर भोजपुर क्षेत्र के पास पहुंची, तभी पीछे से आए एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया, जबकि एक्सप्रेसवे पर अफरा-तफरी मच गई। घटना की सूचना मिलते ही दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे के प्रोजेक्ट हेड अनिल शर्मा ने कांवड़ यात्रा के लिए तैनात विशेष रेस्क्यू टीम और एंबुलेंस को मौके पर भेजा। घायलों को तत्काल मोदीनगर के अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद तीनों को मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए और क्षतिग्रस्त बाइक को कब्जे में ले लिया। तीनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस एक्सप्रेसवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, ताकि फरार वाहन और उसके चालक की पहचान कर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके।

मानव अंगों की तस्करी आशंका, बैग पर चेन्नई का रैपर, आगरा में जीआरपी-आरपीएफ जांच में जुटी

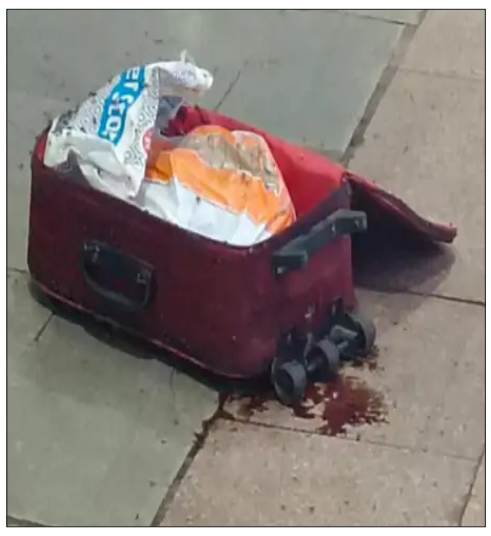
तमिलनाडु एक्सप्रेस में रखे ट्रॉली बैग में मिला शव

वारदात

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा में चेन्नई से नई दिल्ली जा रही तमिलनाडु एक्सप्रेस की जनरल बोगी में ट्रॉली बैग के अंदर मानव अंग मिलने से बुधवार सुबह आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर सनसनी फैल गई। बैग से बदबू और लिक्विड निकलने की सूचना पर जीआरपी और आरपीएफ ने बैग कब्जे में लिया। जांच में अंग काफी गल चुके और काले पड़ चुके थे।

पुलिस ने शव के टुकड़ों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हत्या के बाद शव ठिकाने लगाने की आशंका जताई जा रही है। बैग पर चेन्नई का रैपर मिलने से पुलिस की जांच अब चेन्नई तक पहुंचेगी। पुलिस ने बताया कि बैग



पर चेन्नई का रैपर और टैग मिला है। इससे आशंका है कि बैग चेन्नई से ही ट्रेन में रखा गया। अंग इतने गल चुके थे कि उनकी शिनाख्त करना मुश्किल है।

फोरेंसिक टीम ने मौके से नमूने लिए हैं। शव के टुकड़ों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ताकि मौत का कारण और समय पता चल सके।

जीआरपी ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। रेलवे के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। यह पता लगाया जा रहा है कि बैग किस स्टेशन से बोगी में रखा गया और किसने रखा।

यात्री की सूचना पर हुआ खुलासा

जीआरपी सीओ राजेश दीक्षित के मुताबिक, सुबह करीब 5:30 बजे प्लेटफार्म नंबर तीन पर तमिलनाडु एक्सप्रेस पहुंची थी। ट्रेन में सफर कर रहे एक यात्री ने 139 पर सूचना दी कि जनरल बोगी में रखा एक ट्रॉली बैग से बदबू आ रही है और उसमें से लिक्विड निकल रहा है। सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम ने ग्वालियर में ट्रेन रुकवाकर जांच कराने का प्रयास किया, लेकिन तब तक ट्रेन वहां से निकल चुकी थी। इसके बाद आगरा कैंट पर जीआरपी और आरपीएफ की टीम ने बैग को कब्जे में लेकर खोला तो अंदर मानव अंग के टुकड़े मिले।

संयुक्त टीम जाएगी चेन्नई

मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआरपी और आरपीएफ की एक संयुक्त टीम चेन्नई भेजी जाएगी। वहां से गुमशुदगी और हत्या के मामलों की जानकारी ली जाएगी। चेन्नई पुलिस से भी संपर्क कर उन क्षेत्रों में पूछताछ की जाएगी जहां से बैग बुक हुआ हो सकता है। अधिकारियों का मानना है कि यह हत्या का मामला हो सकता है। शव को ठिकाने लगाने के लिए टुकड़े कर ट्रेन में फेंका गया है। हत्या के बाद शव ठिकाने लगाने समेत सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस अंगों की डीएनए जांच और शिनाख्त के प्रयास में जुटी है। रेलवे स्टेशन और आसपास के इलाकों में भी निगरानी बढ़ा दी गई है।



★ तमिलनाडु एक्सप्रेस की जनरल बोगी में ट्रॉली बैग के अंदर शव मिलने से हड़कप मच गया। पुलिस ने शव के टुकड़ों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैं।

★ बैग पर चेन्नई का रैपर और टैग मिला है, इससे आशंका है कि बैग चेन्नई से ही ट्रेन में रखा गया। जीआरपी ने अज्ञात में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगर निगम व विकास प्राधिकरण की अनियोजित कार्यशैली से जलभराव

तमसा सकेंत, संवाददाता

मथुरा। शहर में करोड़ों रुपये की लागत से कराए जा रहे विकास कार्यों के बावजूद जल निकासी की समुचित व्यवस्था न होने से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। मामूली बारिश के बाद ही कई क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति बन जाती है, जिससे सड़कें तालाब का रूप ले लेती हैं। मुख्यमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना के तहत हाईवे स्थित होटल गोवर्धन पैलेस से धौलीप्याऊ रेलवे फाटक तक सड़क चौड़ीकरण और दोनों ओर नालों का निर्माण कराया गया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि नालों का निर्माण तकनीकी खामियों के साथ किया गया है। अधिकांश स्थानों पर नाले गोलाई में बनाए गए हैं, जिससे पानी का बहाव बाधित हो जाता है और निकासी नहीं हो पाती। होटल गोवर्धन पैलेस के निकट स्थित इन्द्रप्रस्थ आवासीय कॉलोनी के पानी की निकासी का कोई स्थायी इंतजाम नहीं है। बारिश के दौरान कॉलोनी और मुख्य सड़क पर जलभराव हो जाता



है। बड़े गड्ढों और भरे पानी के कारण राहगीरों व वाहन चालकों को रोजाना परेशानी उठानी पड़ती है। यह मार्ग रेलवे स्टेशन को शहर से जोड़ने वाला प्रमुख संपर्क मार्ग है, जहां कई अस्पताल, मैरिज होम और अन्य महत्वपूर्ण संस्थान स्थित हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि इन्द्रप्रस्थ कॉलोनी के पास सड़क को कुछ स्थानों पर ऊंचा बना देने से नालों का पानी हीरा प्रेम हॉस्पिटल, चिरायु हॉस्पिटल तथा आसपास के खाली भूखंडों और सड़क पर भर जाता है। अधिक वर्षा होने पर हालात और गंभीर हो जाते हैं। स्थानीय नागरिकों का आरोप है कि जल निकासी की समस्या को लेकर कई बार नगर निगम और विकास प्राधिकरण से शिकायत की गई।

फास्ट न्यूज

पति ने प्रोफेसर पत्नी से मांगी 50 लाख की रंगदारी

आगरा। आगरा में एक पति ने असिस्टेंट प्रोफेसर पत्नी से 50 लाख रुपये की रंगदारी मांगी है। पति ने न सिर्फ जान से मारने की बल्कि सोशल मीडिया पर बदनाम करने और नौकरी छुड़वाने की भी धमकी दी है। उसने पत्नी के व्हाट्सएप नंबर पर पिस्टल की तस्वीर भेजकर धमकाया है।

पीड़ित महिला असिस्टेंट प्रोफेसर की शिकायत पर आगरा के थाना हरीपर्वत में मंगलवार को FIR दर्ज कर ली गई है।

छुट्टी के दिन खुले मिले 8 स्कूल

मुरादाबाद। मुरादाबाद में चेहल्लुम के सार्वजनिक अवकाश के बावजूद आठ निजी स्कूल खुले मिलने का मामला सामने आया है। शासन की घोषित छुट्टी के दिन इन स्कूलों में नियमित कक्षाएं संचालित होने की सूचना मिलने पर जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओ-एस) ने सभी स्कूलों को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। साथ ही भविष्य में ऐसा दोबारा होने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी है। डीआईओएस रितु तोमर ने बताया कि वर्ष 2026 की अवकाश तालिका पहले ही जारी की जा चुकी है।

चलती ट्रेन में महिला ने दिया बच्चे को जन्म

आगरा। आगरा में बुधवार को चलती ट्रेन में एक गर्भवती महिला ने बच्चे को जन्म दिया। कैंट रेलवे स्टेशन पर डॉक्टर और नर्स ने मां और नवजात की जांच की। इसके बाद दोनों को रेलवे के अस्पताल में भेजा गया। फर्रुखाबाद निवासी माधुरी अपने परिवार के साथ गाड़ी संख्या 12548 साबरमती-आगरा एक्सप्रेस से साबरमती से आगरा छावनी आ रही थीं। वह कोच S-2 की बर्थ संख्या 36, 37 और 38 पर सफर कर रही थीं।

बलदेव के गांव पटलौनी में जर्जर विद्युत पोल से बड़े हादसे का खतरा

शिकायतों के बावजूद कार्रवाई नहीं, विद्युत विभाग बलदेव पर लापरवाही का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा/बलदेव। कस्बा बलदेव के गांव पटलौनी में मूलचंद प्रजापति के घर के सामने लगा विद्युत पोल पूरी तरह जर्जर होकर एक ओर झुक गया है। पोल से गुजर रही बिजली की लाइनें भी ढीली होकर लटक रही हैं, जिससे किसी भी समय बड़ा हादसा होने की आशंका बनी हुई है। इस स्थिति से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों का आरोप है कि क्षतिग्रस्त पोल की सूचना कई बार विद्युत विभाग बलदेव के अधिकारियों को दी जा चुकी है, लेकिन अब तक न तो पोल बदला गया और न ही कोई सुरक्षा संबंधी कदम उठाए गए। लोगों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के कारण क्षेत्र में जान-माल का खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। ग्रामीणों



का कहना है कि यदि समय रहते जर्जर पोल को नहीं हटाया गया और नया पोल नहीं लगाया गया, तो किसी भी समय गंभीर दुर्घटना हो सकती है। उन्होंने जिला प्रशासन और विद्युत विभाग के उच्च अधिकारियों से तत्काल संज्ञान लेकर क्षतिग्रस्त पोल को बदलवाने तथा क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था सुरक्षित करने की मांग की है।

मुरादाबाद में तीन इंस्पेक्टरों के तबादले

सिविल लाइंस, नागफनी समेत अहम थानों में बदले प्रभारी

तमसा संकेत, एजेंसी

बिलारी/मुरादाबादः मुरादाबाद पुलिस महकमे में बुधवार को बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसए-सपी) सतपाल अंतिल ने जिले के तीन निरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव करते हुए नई तैनाती के आदेश जारी किए हैं।

एसएसपी कार्यालय की ओर से जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए गए हैं। सभी संबंधित अधिकारियों को शीघ्र अपने नए कार्यस्थल पर कार्यभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

जिससे थानों की कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाया जा सके और कानून व्यवस्था को और मजबूत किया जा सके। वहीं अब तक सिविल लाइंस थाने की कमान संभाल रहे निरीक्षक मनीष सक्सेना को नागफनी थाने का प्रभारी बनाया गया है।



“पुलिस विभाग का मानना है कि नए प्रभारी निरीक्षकों के अनुभव और कार्यशैली का लाभ संबंधित थानों को मिलेगा। इससे क्षेत्र में कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने, अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण बनाए रखने, जनता की शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने तथा पुलिसिंग को और अधिक जवाबदेह एवं परिणाममुखी बनाने में सहायता मिलेगी। प्रशासन को उम्मीद है कि नई तैनातियां जिले में पुलिस व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होंगी।

प्रशासनिक जरूरतों के तहत किया गया फेरबदल

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह स्थानांतरण पूरी तरह प्रशासनिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर किया गया है। समय-समय पर अधिकारियों के कार्यक्षेत्र में बदलाव से पुलिस व्यवस्था में नई ऊर्जा आती है और विभिन्न थानों में बेहतर समन्वय स्थापित होता है। साथ ही इससे लंबित मामलों के निस्तारण में तेजी लाने और अपराध नियंत्रण की रणनीति को अधिक प्रभावी बनाने में मदद मिलती है।

तत्काल प्रभाव से लागू हुए आदेश

एसएसपी कार्यालय की ओर से जारी स्थानांतरण आदेश में स्पष्ट किया गया है कि सभी अधिकारी बिना किसी विलंब के अपने पुराने पद का कार्यभार छोड़कर नई तैनाती वाले स्थान पर ज्वाइन करेंगे। तत्काल अनुपालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

ऑपरेशन प्रहार : 1.205 किलो गांजा के साथ युवक गिरफ्तार



तमसा सकेंत, संवाददाता

मथुरा। थाना गोविन्दनगर पुलिस ने ऑपरेशन प्रहार के तहत कार्रवाई करते हुए 1 किलो 205 ग्राम अवैध गांजा के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार मसानी लिंक रोड से पुरानी रेलवे लाइन की ओर जाने वाले रास्ते से इमरान (26), निवासी नई बस्ती, डींगगेट को गिरफ्तार किया गया। बरामदगी के आधार पर आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। पुलिस के मुताबिक आरोपी के विरुद्ध पूर्व से भी एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य धाराओं में कई मुकदमे दर्ज हैं। कार्रवाई थाना प्रभारी अजय वर्मा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने की।

एक्ट्रेस ने छात्र आंदोलन पर टिप्पणी की थी, आगरा कोर्ट में दायर हुआ है परिवाद

कंगना के ‘गटर जेनरेशन’ वाले बयान पर आज सुनवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा की अदालत में भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत के कथित 'गटर जेनरेशन' बयान को लेकर दायर परिवाद पर आज सुनवाई होगी। परिवादी अधिवक्ता रमाशंकर शर्मा का आरोप है कि कंगना ने छात्र आंदोलन का समर्थन कर रहे छात्र-छात्राओं और युवाओं के खिलाफ अभद्र टिप्पणी कर उनकी भावनाओं को आहत किया है। मामले में पहले पुलिस से शिकायत की गई थी, लेकिन कार्रवाई नहीं होने पर अदालत का दरवाजा खटखटाया गया। परिवाद में कहा गया है कि जब छात्रों के समर्थन में देशभर में आंदोलन शुरू



हुए और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, प्रियंका गांधी तथा समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने छात्रों के समर्थन में प्रधानमंत्री आवास का घेराव किया। इसी दौरान केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस्तीफा देना पड़ा। आरोप है कि इन घटनाक्रमों के बीच कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर वीडियो और पोस्ट साझा करते हुए आंदोलनकारी छात्र-छात्राओं को 'गटर जेनरेशन' कह दिया। परिवादी का कहना है कि कंगना के इस बयान से देशभर के लोगों की भावनाएं आहत हुई हैं।

भाजपा सांसद कंगना रनौत का पूरा बयान

कंगना रनौत ने 27 जुलाई को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के स्टोरी सेक्शन में लिखा था— सबसे शर्मनाक बात उन युवा हिंदू महिलाओं का व्यवहार है, जो स्वतंत्र और करियर बनाने वाली महिलाओं की जिंदगी की नकल करना चाहती हैं, लेकिन उस आजादी के साथ आने वाली जिम्मेदारियों को नहीं निभाना चाहतीं। असल में स्वतंत्र महिलाएं विद्रोही फैसले लेती हैं।



पुलिस कमिश्नर ने नहीं की कार्रवाई

परिवाद में आरोप लगाया गया है कि कंगना ने संविधान के मूल कर्तव्यों से जुड़े प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए राष्ट्रविरोधी और अपमानजनक टिप्पणी की, जिससे संसद और देश की गरिमा को ठेस पहुंची। इस संबंध में परिवादी ने थाना न्यू आगरा और पुलिस कमिश्नर को शिकायत भेजी, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बाद अदालत में परिवाद दायर किया गया। इस मामले में आज सुनवाई होनी है। परिवादी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुखबीर सिंह चौहान, राजवीर सिंह, रामदत्त दिवाकर, सुमन्त चतुर्वेदी, बीएस फौजदार, प्रीति कुमारी सहित अन्य अधिवक्ताओं ने पक्ष रखा।

पृष्ठ 01 का शेष...

युवाओं की बात...

अगर कुछ भटके हुए युवक पत्थरबाजी भी करें, तब भी उन्हें समझाने और शांत करने की कोशिश करनी चाहिए। सरकार को भी आक्रामक रवैया अपनाने से बचना चाहिए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्य बागची और जस्टिस वी. मोहन की बेंच ने यह टिप्पणी रिटायर्ड एयरफोर्स अफसर मनीष कुमार सोलंकी की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। याचिका में 20 जुलाई के 'संसद चलो' मार्च के आयोजकों यानी CJP प्रतिनिधियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है। कोर्ट ने इस याचिका को इसी मामले से जुड़ी दूसरी याचिका के साथ जोड़ दिया। संसद मार्च के दौरान हुई हिंसा मामले पर 3 जुलाई की सुनवाई में केंद्र सरकार ने सुप्रीम कोर्ट से कहा कि NEET पेपर लीक के विरोध में प्रदर्शन करने वाले छात्रों के खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई नहीं होगी। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि सरकार अपने वादे पर कायम है और छात्रों के खिलाफ FIR दर्ज नहीं की जाएगी।

जंतर-मंतर...

हम शांति से चल रहे थे तो एक पुलिस अफसर ने शरीर के ऊपरी हिस्से पर मारा। राहुल गांधी ने कहा- प्रदर्शनकारियों ने कुछ भी गलत नहीं किया। इनका लगातार शोषण हो रहा है। ये बच्चे देश के भविष्य के लिए लड़े। इन्हें माफी मांगने की जरूरत नहीं। लोकतंत्र के लिए ये बच्चे लड़े, इसके लिए इनका धन्यवाद। मैं वो लड़की हूं, जिसने मुंबई पुलिस को रोका था। मैं कहना चाहूंगी कि मैं वो लड़की हूं, जिसने 20 बच्चों को गैर-कानूनी हिरासत में जाने से रोका था। मेरी अपील है कि कृपया नैरेटिव को बदलें। जो भी मैंने किया, उसकी वजह से मुझे बहुत परेशान किया जा रहा है। ये ट्रोलिंग नहीं हैं, ये क्राइम है। जनता ही नहीं, पार्टी वर्कर्स भी सोशल मीडिया पर मेरे बारे में पोस्ट कर रहे हैं। मुझसे कहा जा रहा है कि 140 रुपए में अपनी बॉडी बेच रही हूं। उनके दिमाग में कितनी गंदगी भरी होगी। मैंने 27 जुलाई को शिकायत की थी। आज तक मुझे एफआईआर नहीं मिली है। झारखंड की नूतन टपो ने बताया कि पैलेट गन को मैंने अपनी आंखों से देखा था। हमारी तरफ गन पॉइंट किया हुआ था। जैसे ही मैं मुड़ी, पीछे से मुझे गन फायर किया गया। मुझे कान में चोट लगी। यूपी की फराह नाज ने कहा- हम जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहे थे। पुलिस के गुंडो ने हमें बहुत बुरी तरह से मारा। मुझे बस में बिठाया। तीन घंटे तक बिठाए रखा, फिर नाम पूछा। मैंने बताया तो कहने लगे कि ये मुस्लिम है, इनकी अलग लिस्ट बनाई जाएगी। ये देशद्रोही हैं। हम लोग तो वंदे भारत और भारत माता की जय के नारे लगा रहे थे। फिर भी हमें देशद्रोही बोलते हैं। महाराष्ट्र के भरत ने कहा- हमने धर्मेंद्र प्रधान का इस्तीफा मांगा था। भाजपा सांसद संबित पात्रा ने कहा- राहुल गांधी बच्चों को साथ लेकर राजनीति कर रहे हैं। झारखंड में भी बच्चे आंदोलन कर रहे हैं, राहुल उनसे बात क्यों नहीं करते। राहुल गांधी का यह सलेक्टिव अप्रोच क्यों है। बच्चे सबके हैं, हम उनके साथ हैं। दिल्ली में जंतर-मंतर पर पुलिस ने कोई फायरिंग नहीं की थी। दिल्ली के जंतर-मंतर पर CJP ने 20 जून से 25 जुलाई तक, लगातार 36 दिनों तक धरना दिया था। इस दौरान हजारों छात्र, अभिभावक और युवा आंदोलन में शामिल हुए। पर्यावरण कार्यकर्ता सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल हुए और भूख हड़ताल पर बैठे। 20 जुलाई को CJP ने संसद मार्च निकाला। इस दौरान छात्रों पर पुलिस ने लाठीचार्ज किया था। 25 जुलाई को तत्कालीन शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद CJP ने धरना समाप्त करने की घोषणा की थी।उसके लिए इतना अत्याचार किया, इतनी बर्बरता की। अगर कहीं अमित शाह का इस्तीफा मांग लिया होता तो ये हम पर सीधा गोली चला देते। जंतर-मंतर को बॉर्डर बना दिया होता। हमने बहुत कुछ सहा। कई घायल बच्चों को गोद में उठाकर एंबुलेंस तक पहुंचाया। ये मेरी जिंदगी का काला दिन था।

विपक्ष पर भड़के....

सीएम योगी ने सपा के रवैये को अलोकतांत्रिक और शर्मनाक बताते हुए साफ कहा कि जिस पार्टी का चरित्र ही विकास विरोधी हो, वह प्रदेश के गरीबों, किसानों और महिलाओं की भलाई कभी नहीं देख सकती। उत्तर प्रदेश विधानसभा का मानसून सत्र, जिसे 6 अगस्त गुरुवार तक चलना था, सपा विधायकों के भारी हंगामे के कारण बुधवार को ही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। स्पीकर सतीश महाना ने लगातार हो रहे बवाल के बाद यह फैसला लिया। विधानसभा स्थगित होने के तुरंत बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि सपा के तमाम व्यवधान और अड़चनों के बावजूद सरकार ने 59 हजार करोड़ रुपये से अधिक का अनुपूरक बजट पास करा लिया है, ताकि विकास कार्यों की रफ्तार थमने न पाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सरकार इस बजट के जरिए प्रदेश के विकास में दिन-रात जुटे हर वर्ग के लिए प्रावधान लेकर आई थी। इसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, रसोइयों, ग्राम चौकीदारों के मानदेय में बढ़ोतरी के साथ-साथ महिला पेंशन, दिव्यांगजन पेंशन और वृद्धावस्था पेंशन को बढ़ाने पर विस्तृत चर्चा होनी थी। लेकिन सपा का नकारात्मक रवैया यह रहा कि उसने सदन के भीतर इन संवेदनशील और जनहित के मुद्दों पर कोई चर्चा ही नहीं होने दी।

दिसंबर में बांग्लादेश...

हसीना ने कहा, “मुझे पता है कि वे मुझे जेल में डाल सकते हैं या मार भी सकते हैं, फिर भी मैं घर वापस जाऊंगी। लोगों का समर्थन मेरे लिए बहुत जरूरी है।” हसीना ने कहा कि उन्होंने अपनी इच्छा से बांग्लादेश नहीं छोड़ा था। प्रदर्शनकारियों के प्रधानमंत्री आवास की ओर बढ़ने पर उनके पास वहां से निकलने के लिए सिर्फ 30 से 40 मिनट का समय था। उन्होंने कहा, ₹मुझे यह भी नहीं पता था कि मैं देश छोड़कर जा रही हूं।₹ हसीना ने दावा किया कि वह अपने पैतृक गांव तुंगीपाड़ा जाने की तैयारी कर रही थीं, लेकिन हालात ऐसे बने कि उन्हें देश छोड़ना पड़ा। हसीना ने कहा कि उन्होंने पिछले 2 सालों से बांग्लादेश को तकलीफ में देखा है। घरों और काम की जगहों पर डर फैल गया है। यह वह बांग्लादेश नहीं है जिसे उन्होंने बनाया था और यह वह बांग्लादेश भी नहीं है जिसके लिए 1971 में लाखों लोगों ने अपनी जान की कुर्बानी दी थी। शेख हसीना ने दावा किया कि जुलाई 2024 के आंदोलन के दौरान 450 से ज्यादा पुलिस थानों में आग लगा दी गई। सरकारी इमारतों पर हमले हुए, कई पुलिसकर्मी मारे गए और कुछ को जिंदा जला दिया गया। हसीना ने सवाल उठाया, प्रेस कॉन्फ्रेंस में मौजूद बांग्लादेशी लेखक और राजनीतिक विश्लेषक अबू ओबैदा आरिन ने दावा किया कि शेख हसीना किसी जनादेश के कारण नहीं, बल्कि एक 'राजनीतिक साजिश' की वजह से निर्वासन में हैं। आरिन ने कहा कि शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद बांग्लादेश की स्थिति खराब हुई है। उनके मुताबिक, देश के पासपोर्ट की वैश्विक रैंकिंग गिरी है और करीब दो लाख छात्र विदेश नहीं जा पा रहे हैं। आरिन ने कहा कि हसीना बदला लेने के लिए नहीं, बल्कि देश में सामान्य राजनीतिक माहौल बहाल करने के मकसद से लौटना चाहती हैं।क्या ऐसे हालात में कानून-व्यवस्था बनाए रखना सुरक्षा बलों की जिम्मेदारी नहीं थी?₹ उन्होंने कहा कि पुलिस ने अपनी जिम्मेदारी निभाने की कोशिश की, लेकिन बाद में उसी कार्रवाई को उनके खिलाफ इस्तेमाल किया गया।

सरकार परिसीमन...

उधर सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या बढ़ाने वाला बिल राज्यसभा में पास हो गया है। 3 अगस्त को इसे लोकसभा से पास किया गया था। अब सुप्रीम कोर्ट में जजों की संख्या 34 से बढ़कर 38 हो जाएगी। सरकार ने 16 से 18 अप्रैल तक भी संसद का तीन दिवसीय विशेष सत्र बुलाया था। इस दौरान परिसीमन संशोधन संविधान बिल, संविधान का 131वां संशोधन बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल पर चर्चा की गई थी।

अप्रैल से कोई मैच नहीं खेला, यूएस ओपन पर भी संशय, अल्काराज अप्रैल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए

अल्काराज की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर

सस्पेंस

नई दिल्ली, एजेंसी

दुनिया के नंबर-2 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज कलाई की पुरानी चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से बाहर हो गए हैं। इसके साथ ही साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बढ़ गया है। अल्काराज अप्रैल के बाद से कोई मैच नहीं खेल पाए हैं। वे सिनसिनाटी ओपन में अपने खिताब का बचाव करने वाले थे, जिसे US ओपन की सबसे अहम तैयारी माना जाता है।

21 साल के स्पेनिश स्टार



अल्काराज ने 14 अप्रैल को बार्सिलोना ओपन में अपना आखिरी मुकाबला खेला था। उसी मैच के बाद कलाई की चोट उभरने पर उन्होंने टूर्नामेंट से नाम वापस ले लिया। इसके बाद वह फ्रेंच ओपन और पूरा ग्रास-कोर्ट सीजन, जिसमें विंबलडन भी शामिल है, नहीं खेल सके।

हाल ही में सोशल मीडिया पर अल्काराज की प्रैक्टिस करते हुए तस्वीरें और वीडियो सामने आए थे। इसके बाद उम्मीद जताई जा रही थी कि वह 11 अगस्त से शुरू होने वाले सिनसिनाटी ओपन तक फिट हो जाएंगे। हालांकि, कलाई पूरी तरह ठीक नहीं होने के कारण मेडिकल टीम ने उन्हें कोई जोखिम नहीं लेने की सलाह दी।

अल्काराज का अगला लक्ष्य 30 अगस्त से शुरू होने वाला साल का आखिरी ग्रैंड स्लैम यूएस ओपन है, जहां वह डिफेंडिंग चैंपियन हैं। हालांकि, बिना किसी वार्म-अप मैच के सीधे ग्रैंड स्लैम में उतरना आसान नहीं होगा। अगर वह समय पर पूरी तरह फिट नहीं हो पाए, तो यूएस ओपन में उनके खेलने पर भी सस्पेंस बना रहेगा।



टूर्नामेंट डायरेक्टर बोले- जल्द कोर्ट पर लौटें, यही उम्मीद

सिनसिनाटी ओपन के टूर्नामेंट डायरेक्टर बॉब मोरान ने आधिकारिक बयान जारी कर अल्काराज के हटने की पुष्टि की। उन्होंने कहा, 'हम जानते हैं कि कार्लोस जल्द से जल्द कोर्ट पर लौटने और फिर से मुकाबले खेलने के लिए हर संभव कोशिश कर रहे हैं। हम उनके जल्द स्वस्थ होने की कामना करते हैं और भविष्य में सिनसिनाटी में उनका फिर से स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं।'

जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी

द्रविड़, युवराज और तेंदुलकर भी टीम खरीद चुके

नई दिल्ली। पूर्व क्रिकेटर जहीर खान ने लंका प्रीमियर लीग में टीम खरीदी है। वे जाफना फ्रेंचाइजी के को-ऑनर बन गए हैं। जहीर ने एंकर स्पोर्ट्स एबी के साथ टीम को टेकओवर किया, जिसके बाद इसका नाम बदलकर 'एंकर जाफना किंग्स' कर दिया गया है। जहीर से पहले राहुल द्रविड़, युवराज सिंह और सचिन तेंदुलकर जैसे भारतीय दिग्गज भी अलग-अलग टी20 लीगों में टीमों में निवेश कर चुके हैं। जहीर खान ने कहा कि उन्होंने हमेशा श्रीलंका के बॉलिंग टलैंट की तारीख की है। उन्होंने श्रीलंका में काफी क्रिकेट खेला है और उनकी वहां से जुड़ी कई अच्छी यादें हैं। जहीर ने कहा कि अब एक मालिक के तौर पर श्रीलंकाई क्रिकेट का हिस्सा बनना उनके लिए बेहद रोमांचक है और वे एंकर जाफना किंग्स के साथ काम शुरू करने के लिए एक्साइटेड हैं। लंका प्रीमियर लीग के टूर्नामेंट डायरेक्टर सामंथा डोडनवेला ने जहीर खान के जुड़ने पर खुशी जताई। उन्होंने कहा कि जहीर जैसे कद के व्यक्ति का टीम से जुड़ना पूरी लीग के लिए एक बड़ा बूस्ट है।



- जहीर बोले- श्रीलंकाई क्रिकेट से जुड़कर एक्साइटेड हूं
- युवा खिलाड़ियों को मिलेगा जहीर का अनुभव

शुभमन गिल की सेना में 4 नेट बॉलर्स की एंट्री

7 अगस्त से अभ्यास मैच में पसीना बहाएगी टीम इंडिया

नई दिल्ली। श्रीलंका के खिलाफ 15 अगस्त से शुरू होने वाली दो टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले हर्ष दुबे, शिवांग कुमार, तनुष कोटियन और विपराज निगम नेट बॉलर के तौर पर भारतीय टीम से जुड़ गए हैं। ये चारों खिलाड़ी श्रीलंका में तैयारी के दौरान शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम की मदद करेंगे। भारतीय टीम श्रीलंका पहुंच चुकी है और टेस्ट सीरीज शुरू होने से पहले कोलंबो में प्रैक्टिस मैच खेलेगी।

टेस्ट सीरीज से पहले भारत 7 अगस्त से कोलंबो के नॉनडेस्क्रिप्ट्स क्रिकेट क्लब ग्राउंड पर तीन दिन का प्रैक्टिस मैच खेलेगा। पहला टेस्ट 15 से 19 अगस्त तक गाले इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। दूसरा और आखिरी टेस्ट 23 से 27



अगस्त तक कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब में होगा।

सीरीज से पहले भारत को कई खिलाड़ियों के चोटिल होने का झटका लगा है। इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के दौरान बाएं घुटने में लगी चोट से पूरी तरह ठीक न हो पाने के कारण तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को टीम से बाहर कर दिया गया है।

उनकी जगह आकिब नबी को टीम में शामिल किया गया है। हर्षित राणा हैमस्ट्रिंग की चोट के कारण बाहर हैं, जबकि नितीश कुमार रेड्डी क्वाड्रिसेप्स की चोट से उबर रहे हैं। ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल पाएंगे।

तेज गेंदबाज आकाश दीप भी उपलब्ध नहीं हैं क्योंकि वह अपनी पीठ में स्ट्रेस रिएक्शन से उबर रहे हैं। यह दो मैचों की सीरीज ICC वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (WTC) 2025-27 साइकिल का हिस्सा है। भारत अभी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की स्टैंडिंग में पांचवें स्थान पर है।

अब्दुल्ला शफीक ने 49 साल बाद दोहराया इतिहास

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरे टेस्ट में पाकिस्तान के अब्दुल्ला शफीक ने अपने करियर की सबसे यादगार पारी खेली। शफीक 323 गेंदों पर 160 रन बनाकर नाबाद रहे। इसके साथ ही उन्होंने 49 साल बाद इतिहास रच दिया है। वह माजिद खान के बाद वेस्टइंडीज में 150+ स्कोर बनाने वाले पाकिस्तानी बल्लेबाज बने हैं। शफीक की इस पारी की बदौलत पाकिस्तान ने त्रिनिदाद में खेले जा रहे मैच पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली है।

शफीक का 150+ स्कोर वेस्टइंडीज में पाकिस्तान के किसी खिलाड़ी का 1977 में जॉर्जटाउन में माजिद खान के 167 रन के बाद पहला 150 से ज्यादा का व्यक्तिगत स्कोर है। यह 2016 में दुबई में अजहर अली के 302 रन के बाद वेस्टइंडीज के खिलाफ पहला और 2021 में हरारे में आबिद अली के 215 रन के बाद उपमहाद्वीप के बाहर पहला ऐसा स्कोर है।

18 में से 12 पॉइंट्स जुटाए, अब 18 ब्लिट्ज मैचों से खिताब का फैसला

आर प्रज्ञानानंदा सेंट लुईस टूर्नामेंट के रैपिड में टॉप पर

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने अमेरिका में खेले जा रहे सेंट लुईस रैपिड एंड ब्लिट्ज चेस टूर्नामेंट के रैपिड में पहला स्थान हासिल किया है। उन्होंने 18 संभावित पॉइंट्स में से 12 पॉइंट्स जुटाकर 1 पॉइंट की बढ़त बनाई। अब खिताब का फैसला 18 ब्लिट्ज मैचों से होगा। इस प्रदर्शन से साल के अंत में होने वाले ग्रैंड चेस टूर फाइनल में जगह बनाने की उनकी उम्मीदें भी मजबूत हुई हैं।

रैपिड सेक्शन के नौवें और अंतिम राउंड में प्रज्ञानानंदा को नीदरलैंड्स के जोर्डन वान फोरीस्ट से हार मिली। इसके बावजूद वह 12 पॉइंट्स के साथ टॉप पर बने रहे। रैपिड सेक्शन में उन्होंने 4 मैच जीते,



4 ड्रॉ खेले और सिर्फ एक मुकाबला गंवाया।

उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंजारोव और अमेरिका के वेस्ली सो 11-11 पॉइंट्स के साथ संयुक्त दूसरे स्थान पर हैं। सिंजारोव इसी साल होने वाली वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारत के डी गुकेश को चुनौती देंगे। 9-9 पॉइंट्स के साथ अमेरिका के लेवोन अरोनियन, लेनियर डोमिंग्वेज, नीदरलैंड्स के अनीश गिरी और जर्मनी के विंसेंट कीमर संयुक्त चौथे स्थान पर हैं। ब्लिट्ज फॉर्मेट में कीमर और सिंजारोव को प्रज्ञानानंदा के लिए सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है। इस टूर्नामेंट के बाद क्लासिकल फॉर्मेट का प्रतिष्ठित सिंक्वेफील्ड कप खेला जाएगा। सेंट लुइस रैपिड एंड ब्लिट्ज ग्रैंड चेस टूर का हिस्सा है, जिसमें दुनिया के कई शीर्ष ग्रैंडमास्टर हिस्सा लेते हैं। इस खिताब के साथ प्रज्ञानानंदा ने अंतर-राष्ट्रीय सर्किट में एक और बड़ी सफलता अपने नाम की।

अब 18 ब्लिट्ज मैचों में होगा फैसला

टूर्नामेंट का रैपिड सेक्शन खत्म हो चुका है। अब सभी खिलाड़ियों को 18 ब्लिट्ज मुकाबले खेलने हैं, जिनके बाद चैंपियन का फैसला होगा। 2 लाख डॉलर (करीब 1.67 करोड़) की कुल इनामी राशि वाले इस टूर्नामेंट के विजेता को 50 हजार डॉलर (करीब 42 लाख) मिलेंगे। ब्लिट्ज में हर जीत पर 1 पॉइंट मिलेगा, इसलिए प्रज्ञानानंदा के लिए अपनी बढ़त बनाए रखना आसान नहीं होगा।

मनोरंजन

'शहनाज गिल मासूम बनने का दिखावा करती हैं'

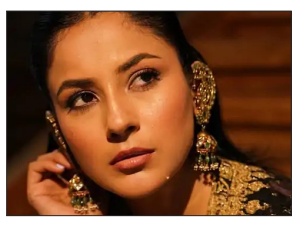
आंचल खुराना का तंज, बोलीं- शहनाज असल में चालाक और बदतमीज है

नई दिल्ली। टीवी एक्ट्रेस और 'रोडीज 8' की विनर आंचल खुराना ने पंजाब की मशहूर एक्ट्रेस शहनाज गिल पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। टेली मसाला को दिए इंटरव्यू में आंचल ने दावा किया है कि शहनाज असल में वैसी नहीं हैं जैसी सोशल मीडिया पर दिखाई देती हैं।

वे केवल 'क्यूट' और भोली-भाली बनने का दिखावा करती हैं, जबकि असल में वे काफी चालाक और बदतमीज हैं। आंचल के मुताबिक, शहनाज और उनके भाई की अच्छी पब्लिक इमेज सिर्फ वीडियोज की चालाकी से की गई एडिटिंग की वजह से बनी हुई है।

इंटरव्यू में 35 साल की आंचल





खुराना ने कहा कि शहनाज खुद में ही खोई रहने वाली और कम IQ वाली इंसान हैं। उनके वीडियोज को इस तरह से एडिट किया जाता है कि वे बेहद प्यारी और मजाकिया लगें।

आंचल ने दावा किया कि वे खुद 8 महीने पंजाब में रही हैं और वहां शहनाज के बैकग्राउंड को लेकर कोई अच्छी बात नहीं बोली जाती। 'बिग बॉस 13' और 'मुझसे शादी करोगे' जैसे शोज में उन्हें ऐसा दिखाया गया जैसे वे बहुत अच्छी हैं, जबकि सच्चाई इससे अलग है।

शहनाज के भाई शहबाज बदेशा पर बात करते हुए आंचल ने कहा कि शहबाज बेहद बदतमीज इंसान हैं। आंचल ने बताया कि उन्होंने एक बार शहबाज को 'फुद्दू' यानी बेवकूफ कह दिया था, जिस पर शहबाज ने काफी बखेड़ा खड़ा कर दिया था।

'रणबीर कपूर के रामायण में राम के किरदार पर भड़कीं निकिता रावल, उठाई माफी मांगने की मांग

'बीफ खाने वाला घटिया'

नई दिल्ली। नितेश तिवारी (Nitesh Tiwari) की फिल्म रामायण (Ramayana) इस समय बॉलीवुड की सबसे चर्चित फिल्मों में से एक है। यह एपिक ड्रामा दो पार्ट्स में रिलीज होगी जिसमें रणबीर कपूर (Ranbir Kapoor) भगवान राम, साई पल्लवी माता सीता और यश रावण के रोल में नजर आएंगे।

एक्ट्रेस यहीं नहीं रुकीं। उन्होंने आगे कहा, 'कोई कुछ भी कहे, मैं तो यही कहूंगी और कहती रहूंगी कि बीफ खाने वाला यह घिनौना व्यक्ति न तो राम के चरित्र को समझ सकता है और न ही उसे ठीक तरह से पर्दे पर निभा सकता है।'





यह विवाद फूड क्रिटिक कुणाल विजयकर के साथ हुए एक पुराने प्रमोशनल इंटरव्यू से शुरू हुआ है, जिसमें रणबीर ने अपनी खाने की आदतों के बारे में बात की थी। उन्होंने बताया कि उन्हें रेड मीट पसंद है और एक्टर ने खुद को बीफ खाने का शौकीन बताया था। 'रामायण' फिल्म की घोषणा के बाद से ही यह क्लिप काफी ज्यादा वायरल हो रही है।

निकिता रावल ने रणबीर पर उठाए सवाल

फिल्म के रिलीज होने से पहले, एक्ट्रेस निकिता रावल ने रणबीर कपूर के भगवान राम का किरदार निभाने पर अपनी साफ राय जाहिर की है। 'बॉलीवुड मैस्कॉट' से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि रणबीर इस रोल के लिए सही पसंद हैं। उन्होंने बीफ खाने के बारे में रणबीर के पुराने बयान का जिक्र करते हुए कहा कि इससे कई हिंदुओं की धार्मिक भावनाएं आहत होती हैं।

> **एक्टर पर निशाना साधते हुए निकिता ने कहा, 'यह किरदार रणबीर कपूर के लिए बिल्कुल भी नहीं है। ऐसा घिनौना और चरित्रहीन इंसान, जो बीफ खाता है और जिसने यह बात सार्वजनिक रूप से कही भी है। आपको क्या लगता है कि ऐसा व्यक्ति राम का किरदार समझ पाएगा?'**

पिता चाहते थे नाम हो मर्सिडीज, हीरोइन बनने से पहले अक्षय पर था क्रश, पहली मुलाकात में शाहरुख ने की बेइज्जती, गिरने से याददाश्त गई

52 की हुई काजोल

> **शरारत, बेबाकी, हाजिरजवाबी और दमदार एंटिंग, इन चार शब्दों में अगर किसी एक एक्ट्रेस को बयां किया जा सकता है, तो वो हैं काजोल। बॉलीवुड की इस चुलबुली सुपरस्टार ने अपनी हंसी, अपने अंदाज और अपनी फिल्मों से तीन दशकों से दर्शकों का दिल जीता है।**

नई दिल्ली, एजेंसी

एक लड़की, जिनकी शरारतों से मां इतनी परेशान थीं कि गुस्से में कह देती थीं, ₹हाय... काश, तुझे भी एक बेटी हो, बिल्कुल तेरे जैसी। पिता उनका ऑफिशियल नाम 'मर्सिडीज' रखना चाहते थे, लेकिन मां ने साफ मना कर दिया।

इनकी दोस्ती की भी मिसाल दी जाती है। 15 साल की उम्र में उसने करण जौहर का ऐसा मजाक उड़ाया कि वो पार्टी छोड़कर ही निकल गए। वहीं उन्हें पहली फिल्म भी एक सहेली की मदद से ही मिली। लेकिन शूटिंग के पहले ही दिन सेट पर गिर पड़ीं। ये गिरने-पड़ने में भी पीछे नहीं थीं। जिस फिल्म का हिस्सा बनतीं, वहां गिरना तय था। बेस्ट फ्रेंड शाहरुख और करण का मानना था कि ये जिस भी फिल्म के सेट पर गिरती हैं, वो हिट हो जाती







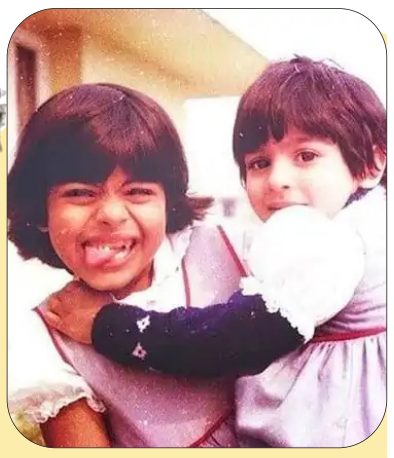
पिता चाहते थे नाम हो मर्सिडीज, 11 की उम्र में बोर्डिंग स्कूल से भागीं, रास्ते में पकड़ी गईं

5 अगस्त 1974 में काजोल का जन्म मुंबई के समृद्ध बंगाली परिवार में हुआ। मां तनुजा, जानी-मानी एक्ट्रेस थीं और पिता शोमू मुखर्जी फिल्ममेकर।

उनके पिता मर्सिडीज कार के शौकीन थे। उन्हें पता चला कि ये कार बनाने वाले शख्स की बेटी का असल नाम मर्सिडीज था। बात में उसने बेटी के नाम पर मर्सिडीज कार बनाई। शोमू चाहते थे कि उनकी बेटी का नाम भी मर्सिडीज हो। वो अड़ गए, लेकिन तनुजा ने साफ कहा- मैं ऐसा नहीं होने दूंगी। उन्होंने बेटी का नाम काजल रखा, लेकिन बंगाली परिवार में इसे ही धीरे-धीरे काजोल कर दिया गया। काजोल बचपन में इतनी शरारती थीं कि मां उनकी अक्सर पिटाई करती थीं। कभी बैडमिंटन रैकेट से मारतीं तो कभी जो हाथ आया उससे।

हैं। ऐसे ही एक बार कुछ कुछ होता है की शूटिंग में ये साइकिल से ऐसी गिरीं कि याददाश्त ही चली गई। दोस्तों ने पुरानी शरारत का बदला लिया और ये साबित कर दिया कि वो फिल्म की हीरोइन नहीं बल्कि बैकग्राउंड डांसर थीं। काजोल महज 15 साल की थीं, जब वो मां एक्ट्रेस तनुजा के साथ एक फिल्मी पार्टी में गईं। डिस्को थीम वाली पार्टी में फिल्म इंडस्ट्री के कई और सेलेब्स भी आए थे। काजोल मस्ती कर रही थीं कि तभी पार्टी में फिल्ममेकर यश जौहर अपने 17 साल के बेटे करण जौहर के साथ आए। ये करण और काजोल की पहली मुलाकात थी। जैसे ही पेरेंट्स ने दोनों का परिचय करवाया, थ्री-पीस सूट, टाई लगाए हुए टीनएज करण को ऊपर से नीचे देखकर काजोल जोर-जोर से हंस पड़ीं। करण मजाक उड़ता देख उदास हो गए, तभी काजोल की मां ने फिर कहा- तुम दोनों बच्चे जाकर साथ डांस क्यों नहीं करते। दोनों डांस फ्लोर पर गए तो करण हिचकते हुए डांस करने लगे, लेकिन काजोल हंसी नहीं रोक पाईं और करीब आधे घंटे तक हंसती रहीं। करण का दिल टूट गया और वो पार्टी छोड़कर चले गए।





अक्षय कुमार पर था क्रश, देखने के लिए दोस्त करण को किया परेशान

काजोल को फिल्मों में आने से पहले अक्षय कुमार पर क्रश था। अक्षय कुमार 1987 में फिल्मों में आए थे और कई हिट फिल्में दे रहे थे। तब काजोल महज 16-17 साल की थीं। एक बार काजोल मां के साथ फिल्म हिना के प्रीमियर में पहुंची। तब तक उनकी करण जौहर से दोस्ती हो चुकी थी। प्रीमियर में जैसे ही काजोल को पता चला कि अक्षय कुमार भी आए हैं, तो वो करण का हाथ पकड़कर पूरे प्रीमियर में अक्षय को ढूंढती रहीं। ये किस्सा करण जौहर ने कपिल शर्मा के शो में सुनाया था।

12 रिजर्व सीटें क्यों खत्म कराना चाहते हैं प्रदर्शनकारी, मांगें क्यों नहीं मान रही सरकार

पीओके पाकिस्तान के लिए बना परेशानी

चुनौती

मुजफ्फराबाद, एजेंसी

पाकिस्तान और भारत के बीच कश्मीर को लेकर कई बार युद्ध हो चुका है। पाकिस्तान ने हमेशा भारत के साथ कश्मीर विवाद को सबसे बड़ा मुद्दा माना। इस वजह से पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) के लोगों की अपनी परेशानियों पर कम ध्यान दिया गया। अब वहां हालात ऐसे हैं कि सरकार के लिए उनकी आवाज दबाना मुश्किल हो रहा है।

महंगाई के खिलाफ शुरू हुआ विरोध प्रदर्शन अब एक बड़े राजनीतिक आंदोलन में बदल चुका है। इसे कई वर्षों में पाकिस्तान सरकार के सामने PoK से उठी सबसे बड़ी चुनौती माना जा रहा है।



PoK में 3 चरणों में चुनाव हो रहे हैं। इस दौरान राजधानी मुजफ्फराबाद में सिक्योरिटी फोर्स गश्त करते हुए दिखाई दी।

आंदोलनों के सफल होने से JAAC का जनाधार बढ़ा। अब संगठन महंगाई के मुद्दे से आगे बढ़कर PoK को ज्यादा स्वायत्तता और राजनीतिक अधिकार देने की मांग कर रहा है। सबसे बड़ी मांग PoK विधानसभा की 45 सीटों में से 12 आरक्षित सीटों को खत्म करने की है। ये सीटें उन कश्मीरी शरणार्थियों के लिए आरक्षित हैं, जो पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों में रहते हैं।

JAAC का कहना है कि जो लोग पाकिस्तान के दूसरे शहरों में रहते हैं, उन्हें PoK की सरकार बनाने का अधिकार नहीं होना चाहिए। JAAC के मुताबिक इन 12 सीटों की वजह से स्थानीय मतदाताओं की राय का असर कम हो जाता है और अक्सर केंद्र की सत्ता में बैठी पार्टी को फायदा मिलता है। न्यूयॉर्क टाइम्स के रिपोर्टर जब पिछले सप्ताह इलाके में पहुंचे तो उन्होंने पाया कि पाकिस्तान सरकार ने PoK के कई हिस्सों को लगभग बाहरी दुनिया से काट दिया है। पूरे इलाके में कई हफ्तों से इंटरनेट सेवा बंद थी। इसका असर सिर्फ मोबाइल और सोशल मीडिया पर नहीं पड़ा, बल्कि बैंक और ATM सेवाएं भी प्रभावित हुईं।

पीओके में आंदोलन की कमान किसके हाथ में है?

PoK में आंदोलन का नेतृत्व जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (JAAC) कर रही है। इसका गठन 2023 में हुआ था। इसमें व्यापारी, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नेता शामिल हैं। शुरुआत में संगठन ने महंगी बिजली और आटे की बढ़ती कीमतों के खिलाफ आंदोलन छेड़ा था। 2024 और 2025 में हुए प्रदर्शनों के बाद पाकिस्तान सरकार को झुकना पड़ा। सरकार ने बिजली की दरें कम कीं और आटे पर सब्सिडी दी। इसके बाद PoK में आटा पाकिस्तान के दूसरे हिस्सों की तुलना में काफी सस्ता मिलने लगा।



लॉन्ग मार्च पर रोक, कई नेता गिरफ्तार हुए

JAAC ने 9 जून को रावलकोट से राजधानी मुजफ्फराबाद तक लॉन्ग मार्च का ऐलान किया। रावलकोट को JAAC का सबसे मजबूत गढ़ माना जाता है। यह जगह LoC से करीब 20 मील दूर है।

लॉन्ग मार्च होने से पहले ही 5 जून को पाकिस्तान सरकार ने आतंकवाद विरोधी कानूनों के तहत जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी पर प्रतिबंध लगा दिया। कई प्रमुख नेताओं को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बावजूद आंदोलन नहीं रुका। रावलकोट में समर्थकों ने कई हफ्तों तक धरना जारी रखा, जबकि दूसरी तरफ सरकार और आंदोलनकारियों के बीच बातचीत भी चलती रही।

प्लास्टिक के नोट अप्रैल मई 2027 में आएंगे



नई दिल्ली, एजेंसी

पॉलीमर यानी प्लास्टिक के नोट अगले साल अप्रैल-मई के बीच लॉन्च होंगे। यह जानकारी RBI की मॉनिटरी पॉलिसी कमेटी, यानी MPC की तीन दिन चली बैठक के बाद गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बुधवार को दी।

उन्होंने बताया कि शुरुआत में कम वैल्यू के पॉलीमर करेंसी नोट जारी किए जाएंगे। इनका मार्केट में सर्कुलेशन और इस्तेमाल सबसे ज्यादा होता है। उन्होंने कहा-दुनिया के कई देशों जैसे ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में पॉलीमर करेंसी नोट 30 साल से भी अधिक समय तक सफलतापूर्वक उपयोग में रहे हैं। भारत में कागजी नोट, विशेषकर 10, 20 और 50 के छोटे नोट, बहुत जल्द गंदे हो जाते हैं या फटने लगते हैं। गवर्नर ने कहा- पॉलीमर नोट आने से इनकी उम्र बढ़ेगी, पानी या नमी से ये खराब नहीं होंगे और बार-बार नए नोट छापने का सरकारी खर्च भी कम होगा।

फास्ट न्यूज

यूएस में भारत की बेटी का कमाल

लॉस एंजिलिस। लॉस एंजिलिस में रहने वाली भारतीय मूल की जान्हवी गुप्ता केवल फिल्म फेस्टिवल्स में ही नहीं, बल्कि अमेरिकी फिल्म इंडस्ट्री में भी अपनी पहचान बना रही हैं। उनकी फिल्में लगातार पुरस्कार जीत रही हैं और अमेरिका के निर्माता व निर्देशक उनके काम की जमकर तारीफ कर रहे हैं। फिल्म निर्माता नेनन न्वोके जान्हवी गुप्ता की तारीफ करते हुए कहते हैं, 'वह अपने साथ काम करने वालों से कहीं आगे के स्तर पर काम करती हैं।

दुबई में तबाड़तोड़ हमलों से धुआं-धुआं हुआ शहर

दुबई । जेबेल अली इंडस्ट्रियल क्षेत्र में 20 मिनट के भीतर सात धमाके हुए, जिनके बाद आसमान में काला धुआं दिखाई दिया। वीडियो बनाने के आरोप में दो लोग गिरफ्तार किए गए। घटना के कारण पर सस्पेंस है। हालांकि मिसाइल हमले के दावे हुए हैं। दुबई के जेबेल अली इंडस्ट्रियल क्षेत्र में कई धमाकों हुए हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में रात के आसमान में धुएं के घने गुबार छाए हुए दिखाई दे रहे हैं। ईरान की मेहर समाचार एजेंसी ने अमीराती अधिकारियों के हवाले से बताया कि 20 मिनट के अंदर कम से कम सात धमाके हुए।

खाड़ी देशों में हर सप्ताह तीन भारतीयों की मौत

दुबई । दुबई में एक कार शोरूम में गैस सिलेंडर विस्फोट में केरल के एक भारतीय प्रवासी की मौत हो गई। यह जानकारी एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार है। गल्फ न्यूज अखबार के अनुसार, केरल के कोल्लम जिले के रहने वाले 27 वर्षीय शिजिन पॉल की सोमवार को शेख जायद रोड स्थित एक कार शोरूम में हुए विस्फोट में मौत हो गई।

ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सेना पर किए ड्रोन हमले

मिडिल ईस्ट में महायुद्ध की आहट, ट्रंप की धमकी बेअसर

नई दिल्ली, एजेंसी



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की अंतिम चेतावनी के अगले ही दिन मंगलवार को ईरान ने कुवैत में अमेरिकी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाकर तनाव और बढ़ा दिया। यरुशलम पोस्ट के मुताबिक, ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने तीन ड्रोन से अमेरिकी ठिकानों पर हमला किया। वहीं, कुवैत और इराक के बसरा प्रांत में भी जोरदार धमाकों की खबरें सामने आई हैं।

ईरानी मीडिया ने भी कुवैत में विस्फोटों की पुष्टि की है। उधर, ओमान के समुद्री क्षेत्र में एक व्यापारिक जहाज पर हमले की सूचना ब्रिटेन की समुद्री सुरक्षा एजेंसी यूकेएमटीओ ने दी है। हालांकि, होर्मुज स्ट्रेट के प्रबंधन को लेकर ओमान और ईरान के बीच समझौते की घोषणा जल्द हो सकती है। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने भी इसकी उम्मीद जताई है। इन घटनाओं के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट जारी रही। मंगलवार को ब्रेंट क्रूड करीब पांच प्रतिशत टूटकर 80 डॉलर प्रति बैरल के आसपास पहुंच गया।

बता दें कि हमलों से एक दिन पहले ट्रंप ने अपने इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म ट्रुथ सोशल पर दावा किया था कि ईरान के साथ नए दौर की बातचीत चल रही है और किसी समझौते तक पहुंचने का यह आखिरी अवसर है।

ट्रंप प्रशासन एच-1बी, एल-1 वीजा एक्सटेंशन महंगा करेगा, भारतीय पेशेवरों और अमेरिकी कंपनियों पर सीधा असर

एच-1बी वीजा एक्सटेंशन कराने पर लगेगी भारी फीस

- नवीनीकरण पर 9-11 रिस्पॉन्स, बायोमेट्रिक फीस लगेगी।

वॉशिंगटन, एजेंसी



अमेरिका में डोनल्ड ट्रंप प्रशासन H-1B और L-1 वीजा की अवधि बढ़ाने को और महंगा करने की योजना बना रहा है। इस कदम से उन बड़ी अमेरिकी कंपनियों का खर्च बढ़ सकता है जो विदेशी कुशल कर्मचारियों (जिनमें हजारों भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं) पर निर्भर हैं।

होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के रेगुलेटरी एजेंडा के अनुसार, एक आखिरी नियम आने की उम्मीद है, जिसके तहत वर्क वीजा बढ़ाने की याचिकाओं पर भी 9-11 रिस्पॉन्स और बायोमेट्रिक एंट्री-एक्जिट फीस लागू की जाएगी।

इस प्रस्ताव का असर गूगल और मेटा जैसी मल्टीनेशनल कंपनियों पर भी पड़ेगा, जो अपने यूएस ऑपरेशन्स में एग्जीक्यूटिव, मैनेजर और खास जानकारी रखने वाले कर्मचारियों को भेजने के लिए L-1 वीजा का इस्तेमाल करती हैं।

इस कदम से अमेरिका में काम कर रहे भारतीय प्रोफेशनल्स पर असर पड़ने की संभावना है, क्योंकि हर साल मिलने वाले ज्यादातर H-1B एक्सटेंशन इन्हीं को मिलते हैं। यूएस सिटिजनशिप एंड इमिग्रेशन सर्विसेज (USCIS) के डेटा के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में कुल 406,685 H-1B याचिकाओं को मंजूरी दी गई। इनमें से 71 प्रतिशत मंजूरियां (जो कुल 291,542 अर्जियों के बराबर हैं) प्रोग्राम में पहली बार शामिल होने वालों के बजाय पहले से चल रहे रोजगार को जारी रखने के लिए थीं। इन मंजूरियों में से 226,359 भारतीय नागरिकों को मिलीं, जो सभी H-1B रिन्यूअल का 77.6 प्रतिशत है।

गूगल और मेटा पर पड़ेगा सबसे ज्यादा असर

यह नया प्रस्ताव ट्रंप प्रशासन को हाल ही में मिली एक कानूनी हार के बाद आया है। अमेरिकी फैडरल अपील्स कोर्ट ने नए H-1B वीजा पर प्रस्तावित 1,00,000 डॉलर की फीस को रद करने वाले निचली अदालत के फैसले पर रोक लगाने से इनकार कर दिया था।

आमतौर पर H-1B वीजा वाले कर्मचारियों को शुरुआती तीन साल के प्रवास के बाद वीजा बढ़वाने की जरूरत होती है। इसलिए प्रस्तावित बदलावों से उन कंपनियों के लिए इमिग्रेशन से जुड़े खर्च बढ़ सकते हैं जो विदेशी टैलेंट (जिसमें भारतीय पेशेवर भी शामिल हैं) पर बहुत ज्यादा निर्भर हैं।

क्या कहता है मौजूदा नियम?

अमेरिका में मौजूदा नियमों के तहत जिन कंपनियों में 50 से ज्यादा कर्मचारी हैं और उनमें से आधे से ज्यादा के पास H-1B या L-1 वीजा है तो उन्हें शुरुआती याचिका दाखिल करते समय या किसी कर्मचारी के नियोक्ता बदलने पर H-1B याचिकाओं के लिए अतिरिक्त 4,000 डॉलर और L-1 याचिकाओं के लिए 4,500 डॉलर का भुगतान करना पड़ता है।

नियम में कहा गया है, रुडीएचएस नियमों में बदलाव और स्पष्टीकरण कर रहा है ताकि यह साफ किया जा सके कि 9-11 रिस्पॉन्स फीस सभी H-1B और L-1 एक्सटेंशन याचिकाओं पर लागू होगी।

जेलेंस्की ने वीडियो शेयर कर कहा- ये युद्ध अपराध है, यूक्रेन ने इस घटना को युद्ध अपराध करार दिया है

यूक्रेन में सब्जी बेचने वाले पर रूस ने किया ड्रोन से हमला

- रूसी ड्रोन ने खेरसॉन में सब्जी विक्रेता पर हमला कर घायल किया।
- राष्ट्रपति ज़ेलेंस्की ने वीडियो साझा कर रूस की निंदा की।

कीव, एजेंसी



यूक्रेन ने मंगलवार को रूस पर युद्ध अपराध का आरोप लगाया। यह आरोप तब लगाया गया जब एक वीडियो सामने आया जिसमें दक्षिणी शहर खेरसॉन में एक रूसी ड्रोन एक सब्जी बेचने वाले का पीछा करते और उस पर हमला करते हुए दिखाई दिया, जिससे वह नागरिक घायल हो गया। वीडियो फुटेज में एक ड्रोन को सड़क किनारे सब्जी की दुकान के तौर पर इस्तेमाल हो रही वैन के आस-पास एक आदमी का पीछा करते हुए दिखाया गया है। जैसे ही वह आदमी बचाव के लिए गाड़ी के पीछे छिपता है, ड्रोन में धमाका हो जाता है। यूरी ने बताया कि वह और उनकी पत्नी अपनी वैन के पास सब्जियों के क्रेट लगा रहे थे तभी उन्हें ऊपर एक ड्रोन की खास आवाज सुनाई दी। उन्होंने बताया कि जब उनकी पत्नी भागने लगीं तो ड्रोन ने अपना ध्यान उनकी तरफ कर लिया। उन्हें याद है कि उन्होंने ड्रोन के कैमरे की तरफ लहसुन की कई गांठें दिखाईं ताकि ऑपरेटर को पता चल सके कि वह उसकी फिल्मिंग नहीं कर रहे हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति ने कहा, रदुनिया को यह देखना चाहिए। उसे हर वह सबूत देखना चाहिए जिससे पता चले कि रूस पागल हो गया है और उसके सैनिक आम नागरिकों को मारने और उनके साथ बुरा बर्ताव करने में मजा लेते हैं।

जारी किया गया पीड़ित का इंटरव्यू

पुलिस ने बताया कि 50 साल के आसपास की उम्र का यह व्यक्ति हमले में बच तो गया लेकिन उसे छर्रे लगने से चोटें आईं और वह सदमे में है। बाद में यूक्रेनी अधिकारियों ने पीड़ित की पहचान 52 वर्षीय यूरी के तौर पर की और अस्पताल से उनका एक वीडियो इंटरव्यू जारी किया।

खेरसॉन क्षेत्रीय सैन्य प्रशासन के प्रमुख ओलेक्जेंडर प्रोकुडिन के अनुसार, यूरी उस सुबह सब्जियां बेचने के लिए खेरसॉन गए थे। प्रोकुडिन ने टेलीग्राम पर अस्पताल का इंटरव्यू शेयर किया।

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक, यूरी ने कहा, "उसे दिख रहा था कि मैंने टमाटर, कुछ खीरे और बैंगन जमीन पर रखे हुए थे। जब मैं दूसरी तरफ भाग रहा था तो वह छाते के नीचे भी आ गया।"

जेलेंस्की ने शेयर किया वीडियो

इस घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि हालिया फुटेज से पता चलता है कि रूस खेरसॉन में आम नागरिकों को लगातार निशाना बना रहा है।

जेलेंस्की ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, आज खेरसॉन में आम नागरिकों के खिलाफ रूस द्वारा किए जा रहे ड्रोन सफारी के एक और वीडियो ने कई लोगों को चौंका दिया है। उन्होंने आगे कहा कि रूस पागल हो गया है और मॉस्को पर दबाव बढ़ाने तथा यूक्रेन के लिए मजबूत सुरक्षा गारंटी की मांग की।

नेतन्याहू ने गाजा पर ट्रंप की योजना से जताई असहमति

इजरायली सेना नहीं हटेगी पीछे

यरुशलम, एजेंसी



गाजा में सामान्य स्थिति की बहाली को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की योजना से इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने असहमति जता दी है।

नेतन्याहू की असहमति हमास और अन्य सशस्त्र संगठनों के सभी हथियारों को डालने और इजरायली सेना की गाजा से वापसी को लेकर है। नेतन्याहू ने गाजा को हथियारविहीन बनाने की शर्त की याद दिलाई है। कहा है कि उसके बिना गाजा में येलो लाइन से इजरायली सेना का पीछे हटना संभव नहीं है।

नेतन्याहू ने साफ कर दिया है कि हमास के सभी हथियार डालने और गाजा के हथियारविहीन होने से पहले फलस्तीनी क्षेत्र की पुनर्निर्माण योजना को क्रियान्वित करने के विचार से वह पूरी तरह से असहमत हैं। इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा, हाल में काहिरा में हमास के हथियार डालने के समझौते को सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इससे पता चलेगा कि गाजा में किस कार्य के लिए क्या समय निश्चित किया गया है। नेतन्याहू से पहले सोमवार को इजरायल की सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति के सदस्य कैबिनेट मंत्री एली कोहेन साफ कर चुके हैं कि गाजा पर हमले बंद नहीं होंगे और न ही वहां से इजरायली सेना हटेगी। हमास के पूरी तरह से हथियार डालने और उसका अस्तित्व खत्म करने पर इजरायल ने समझौता किया है।

घटना : आग के कारण लोग घर छोड़कर भागे, 150 बचाए गए, 30 दमकल गाड़ियां आग बुझाने में जुटी, बिजली काटी गई

साओ पाउलो के केमिकल प्लांट में भीषण आग के बाद कई धमाके

साओ पाउलो, एजेंसी



ब्राजील के साओ पाउलो में भीषण हादसा हुआ है। यहां के एक केमिकल प्लांट में भीषण आग लगने के बाद कई धमाके हुए, जिससे घबराए लोग अपना घर छोड़कर भाग गए। आग पर काबू पाने के लिए 30 दमकल गाड़ियां और 60 से ज्यादा दमकलकर्मी जुटे हुए हैं।

आग लगने से घने धुएं और आग की लपटें आसमान में काफी ऊपर तक उठ रही हैं और 150 लोगों को वहां से सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। ग्रेटर साओ पाउलो के इटाक्वाक्वेसेटुबा में एक सॉल्वेंट प्लांट में ये आग स्थानीय समय के अनुसार दोपहर करीब 3 बजे लगी। साओ पाउलो की मिलिट्री फायर ब्रिगेड ने कहा, रअब तक पीड़ितों का कोई रिकॉर्ड नहीं है।र पता चला है कि आस-पास के इलाके में बिजली काट दी गई है और 150 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। प्रभावित कंपनी क्वेमा क्विमिका (Quema Quimica) है जो सॉल्वेंट्स और पॉलिएस्टर रेजिन का उत्पादन और विपणन करती है। फैक्ट्री में सॉल्वेंट स्टोर करने के लिए 24 टैंक हैं, जिनमें से हर एक की क्षमता लगभग 31 क्यूबिक मीटर है। फायर ब्रिगेड की टीमें आग बुझाने का काम जारी रखे हुए हैं।

100 फीट से ज्यादा ऊंचा उठता दिखा धुआं

घटनास्थल के वीडियो और तस्वीरों में फैक्ट्री से उठती आग की विशाल लपटें और 100 फीट से ज्यादा ऊंचाई तक उठता घना धुआं दिखाई दे रहा है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि घटनास्थल पर कई धमाके हुए हैं।



आग में घी का काम कर रहे सॉल्वेंट टैंक

एक वीडियो में जमीन से मैनहोल का ढक्कन फटकर उछलता हुआ दिखाई दे रहा है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, इस धमाके की वजह से वहां से गुजर रहा एक व्यक्ति गिर पड़ा। प्लांट में सॉल्वेंट के 24 टैंक हैं और ये आग में घी का काम करते हैं। इसके अलावा, आग एक ऐसे औद्योगिक इलाके में लगी है जहां बहुत ज्यादा ज्वलनशील उत्पाद रखे हैं, जिससे धमाके का खतरा और बढ़ गया है।

बिना उकसावे के हुए हमले की भारत ने की कड़ी निंदा

यमन जहाज हमले पर विदेश मंत्रालय की दो टूक

सना, एजेंसी



विस्फोटकों से भरी एक नाव द्वारा किए गए हमले के बाद, यमन के पश्चिमी तट के पास लाल सागर में भारत के झंडे वाला एक मालवाहक जहाज डूब गया। इस जहाज पर चालक दल के 14 सदस्य सवार थे, जिनमें 13 भारतीय और एक यमनी नाविक था। यमनी बलों द्वारा सभी 14 नाविकों को सुरक्षित बचा लिया गया है।

MSV फैज नूर ओलिव्या नाम के जहाज पर हूथी के कब्जे वाले बंदरगाह शहर होदेइदाह से लगभग 13 नॉटिकल मील दक्षिण में हमला किया गया।

यमन की नेशनल रेजिस्टेंस फोर्स, जिसे गाड्र्स ऑफ द रिपब्लिक के नाम से भी जाना जाता है, ने एक बयान में कहा कि कोस्ट गार्ड और नेवी की यूनिट्स ने नाविकों को बचाने के लिए एक जॉइंट ऑपरेशन चलाया। उन्होंने हमले के लिए हूथी ग्रुप को भी जिम्मेदार ठहराया।

भारत ने एक बयान में यमन के समुद्री इलाके के पास जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। केंद्रीय जहाजरानी और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने कहा कि उन्होंने डायरेक्टर जनरल मैरीटाइम एडमिनिस्ट्रेशन को निर्देश दिया है कि वे सभी एजेंसियों के साथ मिलकर उस इलाके में भारतीय नाविकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और बचाए गए क्रू को जरूरी मदद देने के लिए तुरंत कदम उठाएं।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676